20 अगस्त 2025
बुधवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

बक्सर में कब्रिस्तान घेराबंदी से लेकर छात्रवृति व मदरसा सुधार तक, योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल
2

चीनी विदेश मंत्री ने पीएम मोदी को दिया एससीओ शिखर सम्मेलन का न्योता

♦ पीएम ने सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर दिया जोर

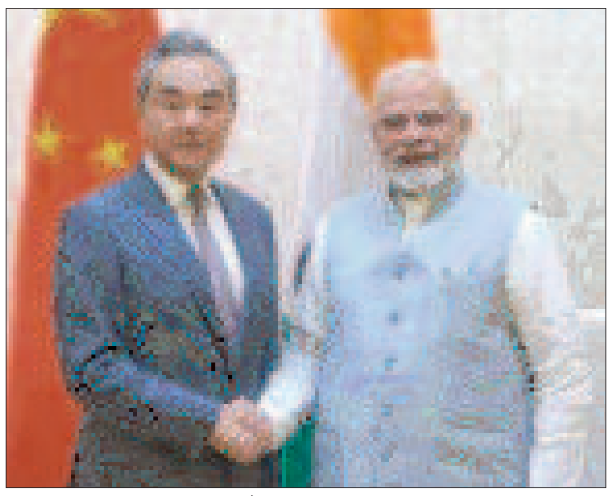

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत दौरे पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वांग ने पीएम मोदी को चीन के तियानजिन में आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग का संदेश और निमंत्रण सौंपा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। वांग यी ने भी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक और एनएसए अजीत डोभाल के साथ हुई विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक के बारे में अपनी सकारात्मक राय भी साझा की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर खुशी हुई। पिछले साल कजान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मेरी मुलाकात के बाद से भारत-चीन संबंधों में एक-दूसरे के हितों और संवेदनशीलता के सम्मान के साथ निरंतर प्रगति हुई है।

सीमा मामलों से जुड़े मुद्दे पर हुई चचार्रू विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय ने कहा कि एनएसए अजीत डोभाल के निमंत्रण पर चीन के विदेश मंत्री वांग यी 18-19 अगस्त 2025 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए। एनएसए के साथ भारत और चीन के बीच सीमा सवाल पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वें दौर की वार्ता की सह-अध्यक्षता करने के अलावा उन्होंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। एसआर वार्ता में तनाव कम करने, परिसीमन और सीमा मामलों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रियों के बीच चर्चा में साझा हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। डोभाल और वांग की बैठक पर बोला चीनी विदेश मंत्रालय इससे पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच चीन-भारत सीमा के सवाल पर 24वीं विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता हुई। बैठक को लेकर चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन-भारत सीमा मुद्दे और द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक, गहन चर्चा की। वांग यी ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कजान में प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के दौरान बनी महत्वपूर्ण सहमति ने चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और सीमा मुद्दे को ठीक से संभालने के लिए दिशा तय की। अब दोनों देशों के संबंध एक सही और विकसित रास्ते पर बढ़े हैं। सीमा की स्थिति स्थिर और सुधर रही है। दो प्रमुख पड़ोसी और विकासशील देश होने के नाते, चीन और भारत समान मूल्यों और व्यापक साझा हितों को साझा करते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक बैठक में एनएसए डोभाल ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कजान बैठक भारत-चीन संबंधों के सुधार और विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। इसने आपसी समझ में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। सीमा क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखा और द्विपक्षीय संबंधों में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है।

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति के बीच भारत चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा दोनों पक्षों ने सीमा वार्ता से प्राप्त शुरूआती लाभों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और विशेष प्रतिनिधियों की बैठक व्यवस्था का पूरा लाभ उठाने और 2005 में सहमत राजनीतिक मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार, आपसी सम्मान और आपसी समझ की भावना से, निष्पक्ष, उचित और परस्पर स्वीकार्य समाधान खोजने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। साथ ही वे सीमा क्षेत्र में संयुक्त रूप से शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए नियमित सीमा प्रबंधन और नियंत्रण को मजबूत करेंगे।

पाकिस्तान का दौरा करेंगे वांग यीरू चीन

चीन के विदेश मंत्री वांग यी बुधवार को इस्लामाबाद जाएंगे। यहां वह वार्षिक रणनीतिक वार्ता में भाग लेंगे और संबंधों की समीक्षा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बताया कि वांग यी 20 से 22 अगस्त तक पाकिस्तान का दौरा करेंगे। वे पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार के साथ चीन-पाकिस्तान विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर में भाग लेंगे। विदेश कार्यालय ने कहा कि यह यात्रा पाकिस्तान और चीन के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान का हिस्सा है।

बोले...एक बिहारी सब पर भारी, मतदाता सूची से नाम हटाने की साजिश बताई

वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने नवादा में भरी हुंकार

एजेंसी/नवादा

कांग्रेस और आजेडी ने नवादा में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर गरीब, दलित, पिछड़े व अल्पसंख्यकों का मताधिकार छीनने का आरोप लगाया। राहुल ने मतदाता सूची से नाम हटाने की साजिश बताया। जबकि तेजस्वी ने इसे लोकतंत्र पर हमला कहा। इस यात्रा को विपक्षी एकजुटता का संदेश माना जा रहा है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने मंगलवार को नवादा में वोटर अधिकार यात्रा के जरिए केंद्र की मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक स्वर में आरोप लगा है कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के मताधिकार को छीन रहे हैं। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सहित पूरे देश में सुनियोजित तरीके से मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि बिहार में लाखों लोग ऐसे हैं जिन्होंने पिछले चुनाव में वोट दिया था। उनके नाम लिस्ट में थे। लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है। चुनाव आयोग और भाजपा के बीच पार्टनरशिप है। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर आपका वोट चुरा रहे हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी यही खेल हुआ है लेकिन हम आपको आश्वस्त करते हैं कि बिहार का वोट चोरी नहीं होने देंगे। हम लोग चूना खैनी में मिलाकर रगड़ देते है तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि हम लोग चूना में खैनी में मिलाकर रगड़ दिया करते हैं। चाहे कोई भी जाति, वर्ग या धर्म से हो, हम नया बिहार बनायेंगे। तेजस्वी सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। पीएम मोदी ने बिहार के लोगों के साथ धोखा किया है। तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम राहुल गांधी जी का धन्यवाद करते हैं कि वो नवादा आए और यहां के लोगों को जागरूक किया। अब समय आ गया है कि हम बिहार से एनडीए को उखाड़ फेंके और बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएं।

लोकतंत्र खोखला हो जाएगारू राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा मताधिकार है और यदि लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया जाएगा तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। उन्होंने भीड़ से अपील की कि वे इस साजिश के खिलाफ खड़े हों और अपने वोट की रक्षा करें।

तेजस्वी यादव ने किया हमला

वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र और चुनाव आयोग पर और भी सख्त लहजे में हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये भाजपा वाले चुनाव आयोग के साथ मिलकर गरीबों और युवाओं का वोट छीन रहे हैं. जिन लोगों ने पिछले चुनाव में मतदान किया था, उनमें से कई का नाम काट दिया गया है। जिनकी मौजूदगी गांव में सबको पता है, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह गरीबों के मताधिकार पर सीधा हमला है।

एक बिहारी सब पर भारीरू तेजस्वी यादव

तेजस्वी ने नारेबाजी करते हुए कहा कि ये लोग सोचते हैं कि बिहार के लोगों को चुना लगा देंगे। लेकिन भूल गए कि हम बिहारी हैं और एक बिहारी सब पर भारी है। उनके इस बयान पर सभा स्थल पर मौजूद कार्यकताओं और स्थानीय जनता ने जमकर तालियां बजाईं।

देश ने अन्य राज्यों में भी चलाई जाएगी यात्रा

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दोनों नेताओं ने लोगों से संपर्क साधा और मतदाता सूची से नाम कटने पर विरोध दर्ज कराने की अपील की। कांग्रेस और राजद कार्यकताओं का कहना है कि यह यात्रा सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी चलाई जाएगी। ताकि आम लोगों को जागरूक किया जा सके।

बारिश ने थामी मुंबई की रफ्तार, बिना बिजली के रास्ते में रुकी मोनोरेल

♦ डेढ़ घंटा तक फंसे रहे यात्री, क्रेन से निकाले गए यात्री

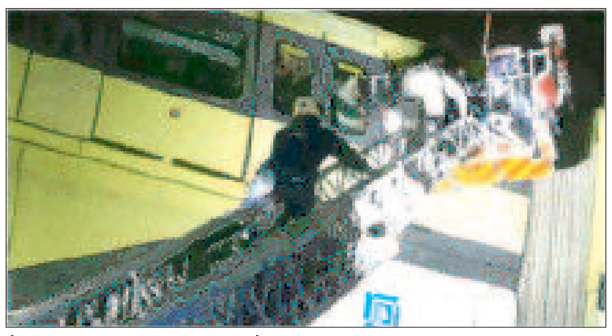

एजेंसी/मुंबई

भारी बारिश ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिए हैं। हालात ये है कि बिजली आपूर्ति रुकने की वजह से मुंबई मोनोरेल भी बीच रास्ते में ही अटक गई है। कई घंटे फंसे रहने के बाद यात्रियों को क्रेन की मदद से निकाला जा रहा है। मैसूर कॉलोनी स्टेशन के करीब एक मोनोरेल रास्ते में ही फंस गई। यात्री बिना एसी के करीब कई घंटे से ट्रेन के अंदर ही फंसे हैं। क्रेन से खींचने की तैयारी एलिवेटेड मोनोरेल मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क स्टेशन के बीच फंसी है। अब क्रेन की मदद से मोनोरेल से यात्रियों को निकाला जा रहा है। महाराष्ट्र मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने बयान जारी कर कहा है कि श्एक मोनोरेल ट्रेन मैसूर कॉलोनी स्टेशन के नजदीक बिजली आपूर्ति बाधित होने के चलते रुक गई है। हमारी संचालन और मेंटिनेंस टीम मौके पर पहुंचकर समस्या सुलझाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल वडाला और चेंबूर स्टेशन के बीच मोनोरेल का संचालन हो रहा है।

सांसद संविधान बचाने के लिए करे वोट: सुदर्शन रेड्डी

एजेंसी/नई दिल्ली

इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद प्रत्याशी और पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। इस मौके पर कांग्रेस सांसदों ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। रेड्डी ने कहा कि वह खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं कि गठबंधन ने उन्हें उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने सभी सांसदों से अपील की कि वे लोकतंत्र की मजबूती के लिए उनके पक्ष में मतदान करें। इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी और पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि ये चुनाव केवल सांसद करते हैं। राजनीतिक दल उम्मीदवारों को प्रायोजित कर सकते हैं, लेकिन अंतिम फैसला संसद के सदस्यों का होता है। रेड्डी ने स्पष्ट किया कि देश में केवल एक ही नागरिकता है और वह है भारतीय नागरिकता। वह और एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन दोनों भारतीय नागरिक हैं। आगे उन्होंने जोड़ा कि क्षेत्रीय पहचान का इस चुनाव में कोई महत्व नहीं है, चाहे उम्मीदवार उत्तर, दक्षिण, पूरब या पश्चिम से हो। रेड्डी ने अपील की कि सांसद पार्टी की सीमाओं से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा को ध्यान में रखकर वोट करें। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत मूल्यों की प्रतिष्ठा का सवाल है।

निर्धारित सीमा से अधिक सामान ले जाने वाले यात्रियों पर होगी सख्त कार्रवाई

रेलवे में लागू होगी हवाई यात्रा जैसी लगेज पॉलिसी

एजेंसी/नई दिल्ली

रेल यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे एक नई लगेज नीति लागू करने जा रहा है। जिसमें अब यात्रियों को अपने सामान को लेकर भी अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। यह नई व्यवस्था हवाई यात्रा की तर्ज पर तैयार की गई है। जिसमें अब यात्रियों को अपने सामान को लेकर भी अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। यह नई व्यवस्था हवाई यात्रा की तर्ज पर तैयार की गई है, जिसमें यात्रियों के सामान की जांच और वजन मापने की व्यवस्था की जा रही है। रेलवे का यह नियम चालू वित्तीय वर्ष में लागू किया जाएगा, जिससे ट्रेनों में भारी-भरकम लगेज की समस्या को नियंत्रित किया जा सके। रेलवे ने निर्णय लिया है कि प्रमुख स्टेशनों जैसे प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, मीरजापुर, अलीगढ़ और टूंडला पर प्रवेश और निकास द्वारों पर इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीनें लगाई जाएंगी। इन मशीनों के माध्यम से हर यात्री के बैग और बक्सों का वजन चेक किया जाएगा। यदि कोई यात्री तय सीमा से अधिक सामान लेकर यात्रा करता है और उसने पूर्व में लगेज बुकिंग नहीं करवाई है, तो उसे अतिरिक्त शुल्क या छह गुना तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। रेलवे ने श्रेणीवार यात्रियों के लिए सामान की सीमा भी तय कर दी है। एसी फर्स्ट क्लास में 70 किलोग्राम, एसी टू में 50 किलोग्राम, एसी थ्री और स्लीपर क्लास में 40 किलोग्राम, और जनरल कोच में केवल 35 किलोग्राम तक ही सामान ले जाने की अनुमति होगी। यह सीमा यात्रियों की बोगी में स्थान की उपलब्धता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।

जिले में नाइट ब्लड सर्वे शुरू, अधिकारी और कर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

फाइलेरिया नए मरीजों की पहचान के लिए महत्वपूर्ण माध्यम है एनबीएस - डॉ. शैलेंद्र

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में 10 फरवरी को सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) राउंड शुरू होने वाला है। इसके लिए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग तैयारियों में लगा हुआ है। एमडीए के पूर्व नाईट बल्ड सर्वे (एनबीएस) की शुरूआत बीते सोमवार को की गई है। इसके तहत जिले के 12 सेंटिनल व 12 रैंडम साइट्स पर रात 8.30 बजे से लेकर 12 बजे तक निर्धारित गांव व वार्ड में लोगों के खून का नमूने लेने का कार्य शुरू किया गया। इस क्रम में सदर प्रखंड बक्सर अंतर्गत शहरी क्षेत्र के पांडेयपट्टी के वार्ड 11 में फाइलेरिया उन्नन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत एनबीएस का शुभारंभ नगर परिषद की उप चेयरमैन बेबी देवी व जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

मौके पर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद कुमार ने बताया कि जिले के ग्रामीण व शहरी इलाकों में फाइलेरिया (हाथीपांव) के कई मरीज मौजूद हैं। कई मरीजों में हाथीपांव के गंभीर मामले भी देखने को मिले हैं। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे जिले में फाइलेरिया नए मरीजों की पहचान के लिए महत्वपूर्ण माध्यम है। सर्वे की मदद से फाइलेरिया प्रसार दर का पता लगाया जाता है। नाइट ब्लड सर्वे अभियान की मदद से जिले में हाथी पांव समेत फाइलेरिया से बचाव को लेकर माइक्रो प्लान तैयार करने में सहायता होती है। इससे फाइलेरिया प्रभावित क्षेत्रों पर स्वास्थ्य विभाग अपना ध्यान केंद्रित कर सकेगा और प्रसार दर के अनुसार हाथीपांव से बचाव के लिए लोगों को सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में काम करेगा। मौके पर वार्ड पार्षद, बीएचएम, वीबीडीएस, बीएचआई, पिरामल व सीएफएआर के प्रतिनिधि, सीएचओ, आशा कर्मी एवं वार्ड के लोग उपस्थित थे।

एनबीएस के लिए लोगों को किया जा रहा है जागरूक

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि नाइट ब्लड सर्वे के दौरान दोनों साइट्स पर 300-300 लोगों के सैंपल लिए जायेंगे। इसके लिए जरूरी है कि चयनित साइट्स के गांव में लोगों को इस संबंध में जानकारी हो, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों का ब्लड सैंपल लिया जा सके। इस क्रम में यह निर्णय लिया गया है कि नाइट ब्लड सर्वे के एक दिन पहले सेंटिनल और रैंडम साइट के पूर्व लोगों को जागरूक किया गया। इसमें लोगों को फाइलेरिया के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें नाइट ब्लड सर्वे और सर्वजन दवा सेवन अभियान की महत्ता के संबंध में बताया जा रहा है। साथ ही, विभाग के निदेर्शानुसार नाइट ब्लड सर्वे के दौरान पंचायती राज संस्थानों के जनप्रतिनिधि और शिक्षा विभाग के अधिकारी लाइट व अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

शुरूआती दौर में ही बीमारी की सही जानकारी जरूरी

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया से बचाव के लिए शुरूआती दौर में ही बीमारी की सही जानकारी जरूरी है। यह तभी संभव है, जब लोगों में शुरूआती यानी लक्षण दिखने पर जांच अनिवार्य रूप से करायी जाए। इसलिए फ्रंटलाइन वर्कर्स के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इनकी बदौलत लोगों का सहयोग मिला और लक्ष्य की प्राप्ति की सकी। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया का कोई पर्याप्त इलाज संभव नहीं है। लेकिन, इसे शुरूआत में ही पहचान करते हुए रोका जा सकता है। इसके लिए संक्रमित व्यक्ति को फाइलेरिया ग्रस्त अंगों को पूरी तरह स्वच्छ पानी से साफ करना चाहिए।

बक्सर में कब्रिस्तान घेराबंदी से लेकर छात्रवृत्ति व मदरसा सुधार तक, योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल

अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ने की समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में अल्पसंख्यक समाज से जुड़ी समस्याओं और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर मंगलवार को जिला अतिथि गृह के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के माननीय सदस्य शमशाद आलम उर्फ शमशाद सांई ने की। इसमें जिले के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे और विभिन्न योजनाओं की जमीनी स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सबसे पहले कब्रिस्तान घेराबंदी की स्थिति पर सवाल उठे। आयोग सदस्य ने स्पष्ट कहा कि यह सिर्फ धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि सुरक्षा और सम्मान से भी जुड़ा मुद्दा है। कई जगहों पर घेराबंदी अधूरी है, जिसकी वजह से आए दिन विवाद की नौबत खड़ी होती है। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाया जाए।

छात्रवृत्ति वितरण में हो पारदर्शिता

बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा भी हुई। आयोग सदस्य ने पाया कि पात्र छात्र-छात्राओं तक समय पर राशि नहीं पहुंच पा रही है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज की प्रगति शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता और तत्परता दोनों आवश्यक हैं। संबंधित अधिकारियों से कहा गया कि वे लंबित आवेदनों का निपटारा जल्द करें।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना और जन वितरण प्रणाली की भी समीक्षा की गई। आयोग सदस्य ने कहा कि अल्पसंख्यक टोलों और बस्तियों में अभी भी कई गरीब परिवार ऐसे हैं जिन्हें मकान और राशन कार्ड का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने जिला प्रशासन से कहा कि ऐसे परिवारों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता पर शामिल किया जाए।

शिक्षा व्यवस्था पर जोर, उर्दू विद्यालय और मदरसा

शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए आयोग सदस्य ने कहा कि उर्दू विद्यालयों और मदरसों की स्थिति सुधारना बेहद जरूरी है। कई जगहों पर शिक्षक नहीं हैं तो कहीं भवन की समस्या है। कस्तुरबा विद्यालय और तालीमी मरकज की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा से संबंधित सभी कमियों की सूची बनाकर कार्रवाई की जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

स्वास्थ्य, पेयजल और मनरेगा पर निर्देश

बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल आपूर्ति और मनरेगा कार्यों की भी समीक्षा हुई। आयोग सदस्य ने कहा कि अल्पसंख्यक बस्तियों में अब भी स्वास्थ्य सेवाएं पर्याप्त नहीं हैं। पेयजल के लिए कई गांवों में लोग परेशान हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का लाभ कागज पर नहीं बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए।

योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचे

आयोग सदस्य ने जोर देकर कहा कि सरकार की मंशा हर वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है। मगर कई बार बीच के स्तर पर उदासीनता के कारण लाभार्थी वंचित रह जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

बैठक में उपस्थित रहे अधिकारी

इस समीक्षा बैठक में अपर समाहर्ता बक्सर, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने योजनाओं से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और सुधार के बिंदुओं पर आयोग सदस्य को आश्वस्त किया। -- अल्पसंख्यकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरे प्रशासन

बैठक के अंत में शमशाद आलम ने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता तभी सफल होगी जब योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासनिक स्तर पर तेजी लाकर अल्पसंख्यक समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जाएगा।

दुस्साहस, डुमरांव एसडीपीओ कार्यालय के सामने से रिटायर्ड फौजी की बाइक चोरी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में चोर उचक्कों का दुस्साहस बढ़ गया है। चोरों ने मंगलवार को दिनदहाड़े एसडीपीओ कार्यालय के सामने से एक बाइक की चोरी कर अपने दुस्साहस का परिचय देने के साथ ही पुलिस के सामने तगड़ी चुनौती पेश कर दी है।

चोरी गई बाइक मुरार थाना क्षेत्र के दंगौली गांव निवासी व रिटायर्ड फौजी कमलेश कुमार सिंह पिता जयनाथ सिंह की है। पुलिस को दिए आवेदन में उन्होंने जिक्र किया है कि वे मंगलवार को जमीन के काम से अनुमंडल कार्यालय आए थे। वे 11.30 बजे अपनी हीरो कंपनी की स्पलेंडर प्लस बाइक जिसका रजिस्टेज्शन नंबर बीआर 03 एन 1274 था खड़ी किए थे तथा दोपहर 12 बजे लौटे तो बाइक गायब थी।

अनुमंडल कार्यालय व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय के सामने से दिनदहाड़े बाइक चोरी की यह घटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है। लोगों का कहना है कि डुमरांव में चोरों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि अब अनुमंडल के सबसे बड़े पुलिस पदाधिकारी का कार्यालय के सामने का इलाका भी महफूज नहीं रह गया है। गौरतलब हो कि पिछले तीन-चार दिनों में अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरों ने चोरी की सीरियल घटनाओं को अंजाम दे पुलिस प्रशासन के समक्ष तगड़ी चुनौती पेश की है। अब देखना है कि डुमरांव के नये एसडीपीओ व थानाध्यक्ष इस चुनौती से कैसे निपटते है तथा डुमरांव में संगठित गिरोह की तरह काम कर रहे चोरों पर पुलिस कब लगाम लगा पा रही है। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही चोरों का पता लगा लिया जाएगा।

किशोरी लापता, परिजनों में चिंता का माहौल

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एक गांव से सोमवार को एक किशोरी के लापता होने की घटना सामने आई है। परिजनों के अनुसार किशोरी घर से यह कहकर निकली थी कि वह कृष्णाब्रह्म बाजार में स्थित एक ब्यूटी पार्लर में काम सीखने जा रही है, लेकिन देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो स्वजनों की चिंता बढ़ गई।

परिवार ने आसपास और रिश्तेदारी में काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरी का कहीं सुराग नहीं मिला। आखिरकार पिता ने कृष्णाब्रह्म थाना पहुंचकर मामले की लिखित सूचना दी। इस आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल कुमार महंथा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस टीम किशोरी की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न संभावित स्थानों पर छानबीन की जा रही है।

इस घटना के बाद गांव में भी तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं। लोग अलग-अलग अनुमान लगाते दिख रहे हैं। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे अपनी बेटी के सकुशल घर लौटने की प्रार्थना कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

भोजपुर कदीम में राजस्व महाअभियान, एडीएम ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के पुराना भोजपुर में मंगलवार को राजस्व महाअभियान के तहत जमाबंदी प्रपत्र वितरण कार्य का निरीक्षण एडीएम अरुण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान उनके साथ प्रभारी सीओ कुमार दिनेश भी मौजूद रहे। एडीएम ने गांव में घर-घर जाकर ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें प्रपत्र भरने व पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में जमा करने की अपील की।एडीएम ने बताया कि भोजपुर कदीम में कुल 4276 जमाबंदिया दर्ज हैं और सभी रैयतों तक प्रपत्र तेजी से पहुंचाए जा रहे हैं। इन प्रपत्रों में पहले से ही मौजा, खाता संख्या, खेसरा संख्या, रकबा, चौहदी और अंतिम लगान वर्ष जैसी अहम जानकारी अंकित रहती है। यदि इसमें कोई त्रुटि है तो रैयत साक्ष्य के साथ सुधार कर सकते हैं। प्रभारी सीओ कुमार दिनेश ने बताया कि इस महाअभियान से चार प्रमुख समस्याओं का समाधान होगा। ऑनलाइन जमाबंदी परिमार्जन, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और गैर-डिजिटाइज्ड जमाबंदी का डिजिटलीकरण। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों को जमीन संबंधी कागजात सुधारने में बड़ी राहत मिलेगी। एडीएम ने आगे बताया कि आवेदन जमा होते ही उसका पंजीकरण पोर्टल पर कर लिया जाएगा और आवेदकों को ओटीपी के माध्यम से आवेदन की स्थिति की जानकारी मिलती रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में प्रपत्र जमा करें ताकि जमीन संबंधी विवाद और त्रुटियों का समय रहते निपटारा हो सके। अभियान के तहत 26 अगस्त को पुराना भोजपुर के खेल मैदान में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में ग्रामीणों को मौके पर ही दस्तावेज जमा करने और आवश्यक सुधार का अवसर मिलेगा। ग्रामीण इस पहल से उत्साहित हैं और इसे वर्षों से लंबित कागजी त्रुटियों को ठीक करने का बड़ा अवसर मान रहे हैं।

एक नजर

अगलगी में झोपड़ी जली, गाय झुलसी

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के भादी गांव में मध्य रात्रि एक पशुपालक के गौशाला में अगलगी की घटना घटित हो गई। इस घटना में पशुपालक लालजी यादव की एक गाय तथा हजारों की संपति झुलस गई है। इस मामले में पशुपालक ने स्थानीय थाने तथा अंचल कार्यालय में आवेदन दे मुआवजे की गुहार लगाई है। अपने आवेदन में पशुपालक ने जिक्र किया है कि मध्य रात्रि उसके झोपड़ीनुमा गौशाला में अचानक आग लग गई। जिसमें एक गाय तथा कई अन्य सामान जल गए है।

तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आए शिक्षक, हालत नाजुक

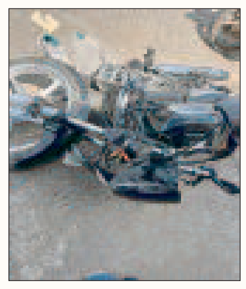

डुमरांव। आरा-बक्सर फोरलेन पर मंगलवार की दोपहर पुराना भोजपुर अंडरपास के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में सिमरी प्रखंड के नियाजीपुर गांव निवासी 48 वर्षीय शिक्षक प्रशांत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रशांत कुमार, जो भदार स्थित एक स्कूल में पढ़ाते हैं, घटना के समय ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिक्षक सड़क पर गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गए। हादसा होते ही वहां अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत उन्हें बचाने के लिए दौड़े। लोगों की मदद से घायल शिक्षक को आनन-फानन में डुमरांव अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जख्मी की स्थिति को बेहद नाजुक बताते हुए गहन इलाज शुरू किया है। इधर, हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन समेत भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे और वाहन दोनों को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस दुर्घटना से क्षेत्र में गहरा आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फोरलेन पर आए दिन भारी वाहनों की तेज रफ्तार से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भट्ठा पुल पर पिकअप नहर में पलटी, चालक फरार

केसठ। प्रखंड क्षेत्र के केसठ भट्ठा पुल पर मंगलवार की शाम एक बोरा लदी पिकअप अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। ग्रामीणों ने बताया कि पिकअप कोरान सरैया की ओर जा रही थी। संकीर्ण पुल और मोड़ के कारण गाड़ी असंतुलित हो गई और सीधे नहर में जा गिरी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना की सूचना ग्रामीणों ने बसुदेवा थाना पुलिस को दी। समाचार लिखे जाने तक स्थानीय चौकीदार घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ले रहे थे।

डुमरांव में संविधान के जनक सच्चिदानंद सिन्हा के नाम पर लाइब्रेरी बनवाने तथा 30 रूपए महीने में छात्रों को इसका लाभ देने का भी किया एग्रीमेंट

रवि उज्ज्वल का वादा, जलजमाव खत्म कर, हर गली-सड़क बनेगी दुरुस्त

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता रवि उज्ज्वल के जनता एग्रीमेंट पदयात्रा के तहत मंगलवार को डुमरांव नगर का माहौल राजनीतिक सरगर्मी से भरा रहा। इस दौरान रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने नगर के विभिन्न इलाकों का पैदल भ्रमण कर जनता से संवाद साधा और कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों और समस्याओं को समझना ही इस यात्रा का मूल उद्देश्य है।

पदयात्रा की शुरूआत छठिया पोखरा से हुई। इसके बाद काफिला नया थाना रोड, डुमरांव बाजार, जंगल रोड, शक्ति द्वार रोड होते हुए चरमोटीया ईनार और राजगढ़ तक पहुंचा। हर वार्ड में स्थानीय लोग अपने-अपने मुद्दों को लेकर उपस्थित रहे। रवि उज्ज्वल ने एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और जनता के बीच ह्यएग्रीमेंटह्व करते हुए भरोसा दिलाया कि डुमरांव नगर को विकास की मुख्यधारा में लाया जाएगा।

आज की यात्रा में जनता से किए गए मुख्य वादे

यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि डुमरांव की सबसे बड़ी समस्या जलजमाव की है। बरसात के दिनों में नालों और गलियों में पानी भर जाने से आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इसे स्थायी रूप से खत्म करने के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम बनवाया जाएगा। उन्होंने नगर की जर्जर सड़कों का भी मुद्दा उठाया और वादा किया कि हर गली और सड़क की मरम्मत करवाई जाएगी ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। इसी क्रम में उन्होंने शिक्षा और बौद्धिक विकास की दिशा में एक नई पहल का वादा किया। उन्होंने घोषणा की कि शहर में एक भव्य सच्चिदानंद सिन्हा लाइब्रेरी बनवाई जाएगी। इस लाइब्रेरी का लाभ हर वर्ग का नागरिक सिर्फ 30 रुपये में उठा सकेगा। उनका कहना था कि ज्ञान का द्वार सबके लिए समान रूप से खुला होना चाहिए और गरीब परिवार का बच्चा भी पुस्तकों तक आसानी से पहुंच पाए, यही उनकी प्राथमिकता होगी।

स्थानीय नेताओं की मौजूदगी ने दिया मजबूती

इस यात्रा में जदयू के कई स्थानीय नेता और समाजसेवी भी शामिल हुए। इनमें जदयू के पूर्व नगर अध्यक्ष अनिल केशरी, जदयू के पूर्व अध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा, नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, पप्पू मौर्य, गोरख चौधरी, मिथिलेश कुशवाहा, गुरूदेव प्रसाद, विशोका चन्द, जगजीवन राम, अनील राम, रवि कुमार, ललन चौधरी, वीर बहादुर पटेल और लालजी चौधरी आदि प्रमुख रहे। इन नेताओं की मौजूदगी से कार्यक्रम को अतिरिक्त बल मिला और लोगों में यह संदेश गया कि यात्रा को व्यापक समर्थन प्राप्त है। पदयात्रा के दौरान रवि उज्ज्वल ने कहा कि यह एग्रीमेंट केवल कागज पर नहीं, बल्कि जनता के दिलों में दर्ज है। यदि उन्हें अवसर मिला तो वे इन वादों को हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि डुमरांव की पहचान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से हमेशा खास रही है, लेकिन लंबे समय से यहां विकास ठहर सा गया है। अब समय है कि नगर को नए आयाम दिए जाएं। जनता एग्रीमेंट पदयात्रा ने नगरवासियों को यह अहसास कराया कि उनकी समस्याओं को सुना जा रहा है और उनके समाधान के लिए स्पष्ट रोडमैप भी प्रस्तुत किया गया है। जलजमाव की समस्या का निवारण, सड़क मरम्मत और सच्चिदानंद सिन्हा लाइब्रेरी जैसी घोषणाएं नगरवासियों की उम्मीदों को नई दिशा देती हैं। डुमरांव नगर में रवि उज्ज्वल की यह पदयात्रा केवल राजनीतिक प्रचार नहीं, बल्कि जनता से संवाद और विश्वास कायम करने की पहल बन गई है।

अजय सिंह की पत्नी को शिक्षा विभाग ने निलंबन में क्यो दी विशेष छूट

- मोबाईल लोकेशन के आधार पर निलंबन अवधि में शोभा एक भी दिन नहीं पहुंची थी बीआरसी
- बीईओ और विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शिक्षा विभाग के तथाकथित दलाल और खुद को पारदर्शिता का पैरोकार बताने वाले अजय सिंह की पत्नी शोभा सिंह के निलंबन मामले में विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है। विभागीय दस्तावेजों और सूत्रों से जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। इसके अलावे तकनीकी प्रमाण भी इस ओर इशारा कर रहे है कि निलंबन अवधि में उक्त शिक्षिका एक भी दिन बीआरसी नहीं पहुंची थी। उसका मोबाईल लोकेशन इस बात के प्रत्यक्ष गवाही दे रहे है। दरअसल, शोभा सिंह को करीब डेढ़ साल पहले निलंबित कर दिया गया था। निलंबन अवधि में विभागीय नियमों के अनुसार उन्हें सिमरी बीआरसी मुख्यालय में उपस्थिति दर्ज करानी थी। लेकिन मोबाइल लोकेशन और विभागीय रिकार्ड बताते हैं कि उन्होंने एक भी दिन बीआरसी जाकर हाजिरी नहीं बनाई। इसके बावजूद उन्हें न केवल निलंबन अवधि में आधा वेतन मिलता रहा, बल्कि निलंबन समाप्त होते ही बकाया वेतन का भुगतान भी कर दिया गया।

बीईओ की संदिग्ध भूमिका

पूरे मामले में सिमरी बीईओ त्रिलोकी नाथ पांडेय की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार यदि कोई निलंबित शिक्षक या शिक्षिका मुख्यालय में उपस्थित नहीं होती, तो बीईओ को तत्काल उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजनी होती है। लेकिन शोभा सिंह के मामले में ऐसा कुछ नहीं हुआ। सूत्रों का कहना है कि या तो बीईओ उन पर मेहरबान थे या फिर अजय सिंह के दबाव में। अन्य शिक्षकों के मामले में विभाग जहां कठोर रुख अपनाता है, वहीं शोभा सिंह के मामले में नियमों को ताक पर रख दिया गया।

विवादों से घिरी रही नियुक्ति

शोभा सिंह की नियुक्ति कठार मध्य विद्यालय में हुई थी। लेकिन वहां भी विवाद खड़ा हो गया। सहकर्मी शिक्षिका संगीता देवी के साथ उनका मनमुटाव इतना बढ़ा कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। संगीता देवी ने वर्ष 2007 में अजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में उन्हें निचली अदालत से सजा भी हुई, जो वर्तमान में जिला जज की अदालत में अपील के स्तर पर लंबित है।

प्रतिनियुक्ति का खेल

विवाद के बाद अजय सिंह ने पत्नी को कठार विद्यालय से हटवाकर नवसृजित प्राथमिक विद्यालय दिया परमेश्वर मठिया में प्रतिनियुक्त करवा दिया। शिक्षा विभाग में आए कई आदेशों में स्पष्ट कहा गया कि प्रतिनियुक्ति की व्यवस्था समाप्त की जाए, लेकिन शोभा सिंह पर यह आदेश लागू नहीं हुआ। यानी विभागीय नियम सबके लिए एक जैसे नहीं रहे।

अधिकारियों की चुप्पी भी सवालों में

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) विष्णुकांत राय, जिन्हें नियमों के पालन के लिए जाना जाता है, वे भी इस मामले में चुप्पी साधे रहे। बकाया वेतन भुगतान के पहले उन्होंने न तो जरूरी जांच की और न ही रिपोर्ट पर गौर किया। विभागीय हलकों का कहना है कि इसका कारण अजय सिंह और उनके राजनीतिक रिश्ते हैं। बताया जाता है कि सांसद सहयोगी अरविंद सिंह के साथ अजय सिंह की पकड़ ने ही अधिकारियों को खामोश कर दिया।

दोहरा मापदंड क्यों अपना रहा विभाग

शिक्षिका शोभा सिंह के निलंबन तोड़ने तथा लगे हाथ समस्त बकाए के भुगतान से बक्सर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि आखिर क्यों निलंबित रहने के बावजूद शोभा सिंह को बीआरसी मुख्यालय में हाजिरी से छूट दी गई। बीईओ ने नियमों के तहत रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी। प्रतिनियुक्ति रद्द करने का आदेश सभी पर लागू हुआ, लेकिन शोभा सिंह पर नहीं, क्यों। जबकि नियम कहता है कि प्रमुख व उप प्रमुख की कुर्सी खाली रहने पर नियोजन इकाई के सचिव सह बीडीओ को विभाग से मार्गदर्शन मांगना चाहिए। सवाल ये भी है कि अधिकारियों ने जांच-पड़ताल के बिना बकाया वेतन का भुगतान क्यों किया तथा क्या इस मामले में दोषी विभागीय अधिकारियों व सिमरी प्रशासन पर जिला प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई की जाएगी कि नहीं।

एक नजर

पश्चिमी रेलवे क्रासिंग के अप और डाउन लाइन पर रबर पैड के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा

डुमरांव। लंबे समय से डुमरांव रेलवे स्टेशन के पश्चिमी फाटक की जर्जर सड़क से परेशान वाहन चालकों और स्थानीय लोगों के लिए अब राहत की खबर आई है। फाटक के अप और डाउन मेन लाइन पर रबर पैड का इंस्टॉलेशन पूरा कर लिया गया। अब केवल फ्रेट कॉरिडोर और डाउन लूप की दो लाइनों पर इंस्टॉलेशन का काम शेष है, जिसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएग रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस बार पारंपरिक निर्माण सामग्री की जगह आधुनिक रबर पैड तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। बक्सर सेक्शन के आईओडब्ल्यू केवी तिवारी ने बताया कि यह फाटक लंबे समय से भारी वाहनों और लगातार गुजरने वाली ट्रेनों के कंपन की वजह से क्षतिग्रस्त हो जाता था। पारंपरिक तरीके से मरम्मत करने के बावजूद कुछ ही महीनों में सड़क गड्ढों में तब्दील हो जाती थी। रबर पैड तकनीक कई बड़े रेलवे क्रॉसिंग पर सफल साबित हो चुकी है। इसके तहत पटरियों के बीच और किनारों पर मजबूत व लोचदार रबर की प्लेटें लगाई जाती हैं। ये प्लेटें ट्रेनों के गुजरने से उत्पन्न कंपन को झेलने की क्षमता रखती हैं। साथ ही, इनकी लचीलापन भारी वाहनों के दबाव को भी सहन कर लेता है, जिससे सड़क की सतह टूटती नहीं और लंबे समय तक समतल बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जहां पहले इस फाटक की मरम्मत हर दो-तीन महीने में करनी पड़ती थी, वहीं अब रबर पैड लगाने से इसकी उम्र कई गुना बढ़ जाएगी और बार-बार मरम्मत की जरूरत नहीं पड़ेगी। डुमरांव जैसे व्यस्त स्टेशन पर रोजाना सैकड़ों वाहनों और हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में इस फाटक की खराब स्थिति लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन चुकी थी। रेलवे की यह पहल न केवल यात्रियों और वाहन चालकों को राहत देगी, बल्कि क्षेत्र में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि कार्य पूरा होने के बाद लोगों को लंबे समय तक गड्ढों और धूल-मिट्टी की समस्या से निजात मिल जाएगी।

सेंट्रल नाला जाम होने और बरसात का पानी मोहल्लों में फैलने से लोगों की परेशानी बढ़ी

डुमरांव । नगर परिषद की सफाई व्यवस्था एकदम से चरमरा कर रह गई है। शहर का सेंट्रल नाम कई स्थानों पर जाम है। जाम होने की स्थिति में उसमें घास जक गए हैं। पानी ओवरफ्लों होकर परती जमीन में जमा हो जाता है। इतना ही नहीं पानी बहकर मोहल्लों की गलियों और रोड पर भी फैलने लगा है, जिससे लोगों को घर से बाहर निकलने पर सोचना पड़ता है। ऐसी ही स्थिति वार्ड 33 की बनी हुई है। इस वार्ड के वार्ड पार्षदा के द्वारा नप कार्यालय में सूचना और आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से परेशानी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मालूम हो कि इस वार्ड जलजमाव साफाखाना रोड के दक्षिणी भाग से शुरू हो जाता है। इधर से ही सेंट्रल नाला निकलता है, जिसके जाम होने से पानी का बहाव अवरूद्ध हो गया है। इतना ही नहीं इसके जाम होने से इसमें घास उग आए हैं। जिस परती जमीन में पहले से जलजमाव बना हुआ है, उसमें पानी भरकर वार्ड के गलियों और रोड तक पहुंच गया है। कई घरों में पानी प्रवेश कर चुका है, बच्चे और महिलाएं बाहर नहीं निकल रहे हैं। बच्चों को स्कूल बस तक छोड़ने के लिये अभिभावकों को आर सेना-जाना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि जलजमाव के पीछे राजवाहा मौजूद है, नप चाहता तो पंपिंग सेट लगाकर पानी निकाल राजवाहा में गिरता तो किसानों को जहां फायदा होता वहीं माहल्लेवालों को जलजमाव से छूटकारा मिल जाता। इस संबंध में कार्यवाहक चेयरमैन विकास कुमा बात की गई तो उन्होंने बताया की इसका निरीक्षण किया जाएगा, फिर जलजमाव को दूर करने का स्थायी निदान निकाला जाएगा।

हरखाही मठिया में आधी रात चोरी, ग्रामीणों में बढ़ी दहशत

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के हरखाही मठिया गांव में 16 अगस्त की मध्यरात्रि चोरी की बड़ी घटना सामने आई। अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नगदी, गहनों और मोबाइल समेत कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर से एक ट्रॉली बैग लेकर फरार हो गए, जिसमें हजारों की नकदी और गहने रखे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला प्रतिमा देवी अपने घर में सो रही थीं। इसी दौरान चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर घर में घुसे और अलमारी से ट्रॉली बैग निकाल ले गए। सुबह उठने पर महिला ने देखा कि बैग गायब है तो हड़कंप मच गया। बैग में करीब चार हजार रुपये नगद, सोने का मंगलसूत्र, कान की बाली, सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायल और मोबाइल फोन समेत अन्य कीमती सामान रखा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पीड़िता के बयान पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। इधर, ग्रामीणों ने चोरी की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं, जिससे लोग दहशत में जी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस गश्ती व्यवस्था कमजोर होने से चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि रात्रि गश्ती को और मजबूत किया जाए ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने भरोसा दिलाया कि मामले का शीघ्र खुलासा होगा और क्षेत्र में गश्ती बढ़ाई जाएगी।

बक्सर में हथियार तस्कर गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार, तीन देशी पिस्टल व कई मैग्जिन बरामद

- कुख्यात अपराधियों तक पहुंचे सुराग, गुप्त सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई, एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दीजानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने औद्योगिक थाना क्षेत्र में छापेमारी कर हथियार तस्करों के एक सक्रिय गिरोह का पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने मौके से चार अपराधियों को दबोचते हुए उनके पास से तीन देसी पिस्टल और छह मैगजीन बरामद की। इस कार्रवाई ने न केवल जिले में बढ़ रहे अपराधों की साजिश पर अंकुश लगाया है, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय आपराधिक गठजोड़ की भी पोल खोल दी है। मंगलवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बड़की सारिमपुर निवासी राकेश राय अपने साथियों संग हथियारों की बड़ी डील करने वाला है।

जानकारी की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ गौरव पांडेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी निगरानी और सूचना तंत्र का इस्तेमाल कर आरोपियों के मूवमेंट पर नजर रखी। जानकारी के अनुसार मधुबन मेगा मार्ट के पास एक बगीचे में सौदा तय होना था। जैसे ही पुलिस टीम वहां पहुंची, कुछ युवक भागने लगे। लेकिन सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते पुलिस ने मुख्य सरगना राकेश राय समेत तीन आरोपियों, मुकेश कुमार और अर्पित कुमार को पकड़ लिया। मौके पर हुई तलाशी में उनके पास से तीन देसी पिस्टल और छह मैगजीन बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। उन्होंने बताया कि ये हथियार बलिया निवासी चंदन यादव और बक्सर के कुख्यात अपराधी भोलू श्रीवास्तव के लिए लाए गए थे। जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भोलू का सहयोगी गोलू श्रीवास्तव को भी धर दबोचा। भोलू श्रीवास्तव का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई संगीन मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस का मानना है कि इस नेटवर्क के जरिये सीमावर्ती जिलों में अपराधियों को लगातार हथियार सप्लाई की जा रही थी।

कप्तान ने पुलिस टीम को सराहना

इस सफल कार्रवाई में एसडीपीओ गौरव पांडेय, औद्योगिक थाना प्रभारी संजय कुमार, अवर निरीक्षक पूजा कुमारी, डीआईयू टीम और सशस्त्र बलों की भूमिका अहम रही। टीम ने सटीक रणनीति और साहसिक कार्रवाई से अपराधियों को धर दबोचा। पुलिस कप्तान शुभम आर्य ने पूरी टीम को सराहा है।

अपराध और अपराधियों पर लगेगी लगाम

बक्सर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से स्पष्ट है कि प्रशासन अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। हाल के दिनों में जिले में बढ़ते अपराध और सीमावर्ती इलाकों से हथियारों की तस्करी की खबरें पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थीं। लेकिन इस नेटवर्क पर प्रहार कर पुलिस ने यह संकेत दिया है कि अपराधी चाहे कितने भी संगठित क्यों न हों, कानून से बच पाना आसान नहीं होगा। घटना के बाद जिले में लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से आम जनता का पुलिस पर भरोसा और मजबूत होता है। लोग उम्मीद जता रहे हैं कि आगे भी पुलिस ऐसे नेटवर्क का सफाया कर अपराधियों के मनोबल को तोड़ेगी।

सीमावर्ती नेटवर्क पर शिकंजा

एसपी शुभम आर्य ने बताया कि इस गिरोह की गतिविधियां बक्सर और आसपास के जिलों में ही नहीं, बल्कि पड़ोसी उत्तर प्रदेश तक फैली हुई थीं। हथियारों की अवैध सप्लाई का यह चौनल अपराध जगत को लगातार मजबूत कर रहा था। समय रहते पुलिस ने जाल बिछाकर इसे ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी चल रही है और जल्द ही सभी को पकड़ लिया जाएगा।

रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और विकास की गति को तेज करने के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा बैंकिंग क्षेत्र

सरकारी ऋण योजनाओं का लाभ लेने की अपील, उपभोक्ताओं को दी गई विशेष जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और विकास की गति को तेज करने के लिए बैंकिंग क्षेत्र लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में बिहार ग्रामीण बैंक ने उपभोक्ताओं को सरकारी ऋण योजनाओं के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। बैंक का मानना है कि यदि लोग इन योजनाओं का लाभ लें तो न केवल उनका स्वरोजगार बढ़ेगा बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास भी संभव होगा। बिहार ग्रामीण बैंक के डीसीओ सह मुख्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों के लिए कई प्रकार की ऋण योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इसके लिए जिला प्रशासन और बैंक मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बैंक अन्य बैंकों की तुलना में कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराता है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलती है।

उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठकों में हमेशा यह निर्देश दिया जाता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। इसी उद्देश्य से मंगलवार को बक्सर प्रखंड कार्यालय और इटाढ़ी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बैंक अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमइजीपी), प्रधानमंत्री परंपरागत उद्योग विकास योजना (पीएमपीएमई), सूर्य घर योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, लखपति दीदी, हाउसिंग, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और व्यक्तिगत ऋण जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि ये योजनाएं आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और छोटे व्यवसाय से जुड़े लोग इन योजनाओं का लाभ लेकर अपना कारोबार खड़ा कर सकते हैं।

इस अवसर पर बक्सर मुख्य शाखा के ऋण प्रबंधक आदित्य मिश्रा, सहायक प्रबंधक कन्हैया जी मिश्रा, एफएलसी अमित वर्मा, उनवास शाखा प्रबंधक मयंक शुक्ला, ओम प्रकाश, प्रिया कुमारी, गोलंबर शाखा प्रबंधक जयशंकर तिवारी, मिश्रौलिया शाखा प्रबंधक राकेश तिवारी, चरित्रवन शाखा प्रबंधक सलोनी झा, बड़कागांव शाखा प्रबंधक राजीव कुमार, अधिकारी वीरेंद्र कुमार एवं जीविका मित्र उपस्थित थे।

बैंक अधिकारियों ने अंत में उपभोक्ताओं से अपील की कि वे सरकारी ऋण योजनाओं का पूरा लाभ लें और अपने सपनों को साकार करने के लिए बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ें।

यात्रियों और दुकानदारों के लिये होगा डीलक्स शौचालय का निर्माण

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में ऐसे बहुत से स्थान हैं, जहां शौचालय नहीं होने की कमी लोगों को खटकती है। अनुमंडल क्षेत्र के लोगों के लिये बाजार करने का डुमरांव मुख्य शहर है। हजारों लोग प्रतिदिन विभिन्न कामों से कार्यालयों में काम कराने और शहर में समानों की खरीदारी करने पहुंचते हैं, लेकिन शौचालय नहीं होने की कमी काफी खटकती है। नगर का मुख्य बाजार राजगोला कटरा, गोला रोड और चौक रोड है। इस रोड में कहीं भी शौचालय की व्यवस्था नहीं है। इसकी शिकायत वार्ड पार्षदों से लेकर सामाजिक कार्यकताओं ने नप से किया, लेकिन कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इधर मिल रही शिकायत पर कार्यवाहक नप अध्यक्ष विकास कुमार ने दिलचस्बी दिखाते हुए दुकानदारों और कस्टकरों के लिये शहीद गेट के पास सरकारी जमीन पर डीलक्स शौचालय निर्माण के लिये आदेश दिया है। उन्होंने बताया की जल्द ही सरकारी जमीन पर डीलक्स शौचालय निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। कार्यवाहक चेयरमैन द्वारा यह निर्णय लिये जाने के बाद शहरवासियों में खुशी है।

पीडीएस दुकानदारों में सहायक गोदाम प्रबंधक तथा परिवहन अभिकर्ता की कार्यशैली के प्रति काफी दिखती है नाराजगी

केटी न्युज। रोहतास

जिले के पीडीएस दुकानदारों में सहायक गोदाम प्रबंधक तथा परिवहन अभिकर्ता की कार्यशैली के प्रति काफी नाराजगी दिखती है,लेकिन वे अपनी इस नाराजगी को खुलकर सम्बन्धित अधिकारियों को व्यक्त भी नहीं कर पाते। नाराजगी का मुख्य कारण राशन के बोड़े में वजन कम होना है। सहायक गोदाम प्रबंधक के यहाँ से प्रति बोड़ा 51 किलो बोड़ा सहित राशन पीडीएस दुकान की आपूर्ति के लिए परिवहन अभिकर्ता को गाड़ी पर लोड कराकर भेजना होता है। लेकिन वह पीडीएस दुकान तक आते-आते प्रति बोड़ा 43-45 किलो तक ही उतरता है। सहायक गोदाम प्रबंधक के कार्यों में मुख्य रूप से इन्वेंट्री स्तरों का ट्रैक करना, भंडारण स्थान का अनुकूलन करना तथा समय पर ऑर्डर पूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है। जबकि परिवहन अभिकर्ता का मुख्य कार्य खाद्यान्न को उचित मूल्य की दुकानों तक सुरक्षित और ससमय पहुँचाने की जिम्मेदारी है, ताकि समय पर गरीब लाभुकों को खाद्यान्न मिल सके। अभिप्राय यह कि पीडीएस प्रणाली की ये दोनों महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं, फिर भी सही वजन पीडीएस दुकानों तक नहीं पहुँच पाता है। इस संदर्भ में करगहर प्रखंड के बभनी गाँव में एक पीडीएस दुकान पर राशन उतारते और उसका माप-तौल करते एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो सहायक गोदाम प्रबंधक तथा परिवहन अभिकर्ता की संलिप्तता को बयाँ करता है। यह बहुत गंभीर मामला है, जिसकी जाँच होनी चाहिए। अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर एक पीडीएस दुकानदार ने कर्तव्यनिष्ठ जिला पदाधिकारी उदिता सिंह से इसकी जाँच कराकर संबंधित अधिकारी को दण्डित करने की माँग की है। दुकानदार ने कहा है कि ऐसे सहायक गोदाम पदाधिकारी और परिवहन अभिकर्ता से पूरे प्रखंड के पीडीएस दुकानदार तंगो-तबाह हैं, लेकिन शिकायत करने कि वे हिम्मत नहीं जुटा पाते।

30 अगस्त को आरा में राहुल गांधी की यात्रा जनसभा में लाखों की भीड़ जुटाने की तैयारी

केटी न्युज। आरा

वोटर अधिकार यात्रा के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 30 अगस्त को आरा में आगमन प्रस्तावित है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर इंडिया गठबंधन की एक संयुक्त बैठक की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि वोटर अधिकार यात्रा के भोजपुर जिला प्रभारी और झारखंड के बेरमो विधायक कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अनूप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जी की आगामी 30 अगस्त की पदयात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता का प्रमाण हैं। उन्होंने इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि कार्यक्रम ऐतिहासिक बनाने के लिए जितने भी तरह के साधन-संसाधनों

की जरूरत होगी प्रभारी के तौर पर और आदरणीय नेता के कार्यक्रम की सफलता के लिए हम सभी तरह के बोझ उठाने के लिए तैयार है। आरा के शहीद भवन में कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई हैं, महागठबंधन के नेता या किसी कार्यकताओं को कोई भी असुविधा हो तो हमसे सीधे संपर्क कर सकता है या शहीद भवन में स्थापित कंट्रोल से संपर्क कर सकता है। सभी दलों के अध्यक्षों एवं कार्यकताओं को विश्वास दिलाया कि इंडिया गठबंधन के किसी भी नेता के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने सभी दलों के नेताओं कार्यकताओं बताया कि यह जो कार्यक्रम वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में होने वाला था अब कार्यक्रम महाराजा कॉलेज के परिसर में किया जाएगा। इसके लिए मंच निर्माण, पंडाल, सुरक्षा व्यवस्था और कार्यकताओं की तैनाती पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि भोजपुर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से लाखों लोगों को जनसभा में लाया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव में कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी गई है। संगठन स्तर पर बूथ और पंचायतवार लक्ष्य तय किए गए हैं, ताकि राहुल गांधी के आगमन पर आरा में महा जुटान का माहौल बने। इंडिया गठबंधन की तरफ से तीन कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं। विधायक मुन्ना तिवारी, विश्वनाथ राम व पूर्व टछउ अजय सिंह शामिल है। महागठबंधन के 6 सभी पार्टियों के नेता विधायक का कार्यकताओं ने अपनी अपनी जिम्मेदारी ली है। यह यात्रा 30 अगस्त को आरा आयेगा। यात्रा की कुल लंबाई 30 किलोमीटर है, बबुरा पुल होते हुए सक्कडी,धरहरा,सपना सिनेमा के रास्ते शहीद के रास्ते अम्बेडकर चौक पर बाबा साहब को राहुल गांधी,तेजस्वी यादव,मुकेश साहनी व दीपांकर भट्टाचार्य के द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा । उसके बाद वीर कुंवर सिंह स्टेडियम के बदले अब महाराजा कॉलेज में जनसभा होगी।

उत्कृष्ट कार्य के लिए कृषि विज्ञान केंद्र के दो कर्मी हुए सम्मानित

केटी न्युज। रोहतास

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज रोहतास के दो कर्मियों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आईसीएआर आटारी जोन चतुर्थ पटना द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार पूर्व निदेशक राष्ट्रीय कृषि नवाचार परियोजना एनएआईपी डॉ. बंगाली बाबू द्वारा प्रदान किया गया ।डॉ. रामाकांत सिंह मृदा वैज्ञानिक को जिले में मेंथा की उपयुक्त किस्म चयन एवं विकास पर किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान प्रदान किया गया । उनके प्रयासों से जिले में मेंथा की खेती को नई दिशा मिलेगी । वहीं हरेंद्र प्रसाद शर्मा को केविके सॉफ्टवेयर विकास एवं वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। उनके तकनीकी कार्य से केविके की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ हुई है। इस अवसर पर बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर के कुलपति प्रो. डॉ. डीआर सिंह ने दोनों पुरस्कार विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय एवं जिले के किसानों की प्रगति का द्योतक है। केविके रोहतास के प्रधान डॉ आर. के. जलज ने भी दोनों कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे जिले के किसानों के लिए प्रेरणादायक है और आगे भी केंद्र किसानों की सेवा के लिए निरंतर तत्पर रहेगा।

उधार की गाँधी नाम ले कर घुम रहा है नकली गाँधी... अजय आलोक बोले

बिहार में अराजक फैलाने निकले हैं शुंभ निशुंभ

केटी न्युज। आरा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने मंगलवार को आरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को ह्लउधार की गाँधीह्व और ह्लनकली गाँधीह्व बताते हुए कहा कि इनके पास न नेतृत्व करने की क्षमता है और न ही जन नायक बनने का हक। अजय आलोक यहीं नहीं रुके, बल्कि उन्होंने तेजस्वी यादव को ह्लछोटा रिचार्जह्व और ह्लनौंवी फेलह्व करार दिया। जय आलोक ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के पास न नेतृत्व करने की क्षमता है और न ही जन नायक बनने का हक। अजय आलोक ने कहा कि आरा आने के दौरान उन्होंने एक पोस्टर देखा जिसमें राहुल गांधी को जन नायक बताया गया है। उन्होंने कहा कि ह्लजन नायक बनने से पहले अपने घर और अपनी पार्टी के तो नायक बनिए। कांग्रेस का अध्यक्ष पद छोड़ दिया, फिर लेने की हिम्मत नहीं दिखाई। जिस परिवार को अपना असली नाम तक लिखने में शर्म आती है, वो देश का नेतृत्व करने निकले हैं। इनके दादा का नाम फिरोज जहांगीर गैंडी था, और धीरे-धीरे ये ह्यगैंडी से गांधीह्ल बन गए। इसीलिए मैं इन्हें ह्यउधार के गांधीह्ल कहता हूँ। राजद नेता तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए अजय आलोक ने कहा कि ह्लतेजस्वी यादव नौंवी फेल हैं और छोटा रिचार्ज बनकर बिहार की राजनीति में नौटंकी कर रहे हैं। देश के खिलाफ बयानबाजी करना इनकी आदत है। लेकिन जनता अब इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। अजय आलोक ने राहुल गांधी की यात्रा को नौटंकी बताते हुए कहा कि ह्लये लोग वोट चोरी की बात करते हैं, संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं और विदेशी ताकतों के लिए सहानुभूति जताते हैं। क्या बांग्लादेशियों के लिए इनका दिल धड़कता है? यह बिहार की धरती पर अराजकता फैलाने का प्रयास है, जिसे जनता नकार देगी। सोशल मीडिया पर वायरल पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह और भोजपुरी स्टार पवन सिंह की तस्वीर पर अजय आलोक ने कहा कि कोई एक व्यक्ति पार्टी को सीधा नुकसान नहीं पहुँचा सकता। पवन सिंह पहले भाजपा में आए थे, फिर निर्दलीय चुनाव लड़ा और हार गए। वहीं आर.के. सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और सबके व्यक्तिगत संबंध बने रहते हैं।

विकास के नाम पर उतरेगी भाजपा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजय आलोक ने भाजपा सरकार के कामों को गिनाते हुए कहा कि भोजपुर जिला को पहली बार मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और मॉडल अस्पताल मिला है। आरा-छपरा पुल, कोईलवर में छह लेन पुल और हर घर तक बिजली व नल जल पहुंचाना भाजपा सरकार की उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के शासन में बिजली, सड़क और रोजगार का नाम तक नहीं था, जबकि भाजपा विकास के एजेंडे पर चुनाव मैदान में उतरेगी।

सड़क हादसा में पत्रकार रवि प्रकाश अपने परिवार सहित बाल-बाल बचे

केटी न्युज। रोहतास

सड़क हादसा में पत्रकार रवि प्रकाश सहित उनके परिवार को मिला नया जीवनदान। जिला क्षेत्र के बिक्रमगंज निवासी "राष्ट्रीय खबर" अखबार के ब्यूरो चीफ पत्रकार रवि प्रकाश सड़क हादसे में फैमिली और मासूम बच्चों के साथ बाल-बाल बचे। घटना दावथ थाना क्षेत्र के बभनौल अड्डा के समीप दोलईचा पुल पर घटी। बताया जा रहा है कि पत्रकार रवि प्रकाश सोमवार की शाम अपने बहन, दो वर्षीय भगिनी और अपने दो मासूम बेटी के साथ बक्सर जिला के डुमरांव अनुमंडल जा रहें थे। इसी बीच सोमवार की शाम करीब 8 बजे ड्राईवर को अचानक झपकी आने से बैलेनो कार बभनौल अड्डा के दोलईचा काव पुल समीप नहर चाट में पलट गई। वही कार पलटने की तेज आवाज सुन स्थानीय ग्रामीण लोगों की उन्हें बचाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। जहां आनन-फानन में लोगों ने कार के अंदर में फंसे पत्रकार रवि प्रकाश व उनकी बहन सहित तीन मासूम बच्चों को कार से बाहर निकाल नई जीवन दी। दूसरी इस हादसा को देख जान बचाने के बाद ग्रामीणों ने इसे ईश्वर का चमत्कार बताया। जिसके कारण सभी लोग सुरक्षित बच गई है। हालांकि इस घटना में बच्चों सहित सभी लोगों को गंभीर अंदरूनी चोटे भी आई हैं। घटना की खबर सुन पत्रकार रवि प्रकाश को रोहतास जिला के सभी पत्रकार उनके परिवार साथ उन्हें नए जीवन मिलने पर ईश्वर का वरदान बताया। इस घटना की खबर मिलते ही 112 पुलिस टीम भी घटना स्थल पहुंच सभी लोगों को कार के अंदर से सकुशल निकलने तक डटे रहें। दूसरी तरफ पत्रकार रवि प्रकाश ने घटना के बाद जान बचाने वाले सभी ग्रामीण लोगों सहित स्थानीय पुलिस का का दिल से आभार व्यक्त किया। घटना में कार चालक भी सुरक्षित है।

भोजपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : बुटन चौधरी गैंग के दो और सदस्य गिरफ्तार, हर्षित मर्डर केस में थी तलाश

केटी न्युज। आरा

महाराष्ट्र से दो लाख रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर बुटन चौधरी की गिरफ्तारी के बाद गैंग के अन्य सदस्यों पर भी पुलिस का शिकंजा तेजी से कसने लगा है। इस कड़ी में भोजपुर पुलिस ने हत्या एवं गोलीबारी जैसे कांडों में वांटेड सुमित चौधरी के अलावा सुरेश सिंह उर्फ रइया को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।गिरफ्तार सुमित चौधरी व सुरेश दोनों उदवंतनगर थाना के बेलाउर गांव के निवासी हैं। सुरेश सिंह उर्फ रइया के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल व मैगजीन बरामद किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपित बुटन चौधरी गैंग के गुर्गे बताए जाते हैं। इसकी जानकारी मंगलवार को एसपी राज ने प्रेस वार्ता में दी।

हत्या के मामलों में थी तलाश

एसपी के अनुसार गिरफ्तार सुमित चौधरी खनगांव बालू घाट पर घटित हर्षित सिंह की हत्या एवं पूर्व में मारे गए बीडीसी सदस्य दीपक के साह के पुत्र आयुष समेत दो को गोली मारे जाने की घटना में संलिप्त रहा था, जबकि सुरेश उर्फ रइया बीडीसी सदस्य के पुत्र को गोली मारे जाने की घटना में जमानत पर है। इसके अलावा आर्म्स एक्ट से जुड़े दूसरे कांड में एक अन्य आरोपित बेलाउर निवासी राकेश को भी गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, गैंग से उसका जुड़ाव नहीं है। मालूम हो कि 20 अक्टूबर 2023 को चांदी थाना के खनगांव बालू घाट पर रास्ता व वर्चस्व को लेकर उपजे विवाद में दो गुटों के बीच गोलीबारी की घटना हुई थी।

एक नजर

मजदूर पिता की बेटी फौज में शामिल होकर देश की करेगी सुरक्षा, लोगों में खुशी

कैमूर । जिला क्षेत्र के कुदरा प्रखंड के सलथुआ पंचायत के रतिचक गांव निवासी किसान श्याम बिहारी राम की बेटी बनी देश की जवान। जिसकी कामयाबी से पूरे घर में खुशी का माहौल है। बताया जाता है कि नेहा के पिता एक कृषक मजदूर हैं। जिन्होंने मजदूरी करते हुए भी आर्थिक तंगी के बावजूद भी अपने बेटी के पढ़ाई कराने में कोई कसर नहीं छोड़ा। मजदूर श्याम बिहारी की बड़ी बेटी नेहा कुमारी ने महज 20 साल की उम्र में ही एसएससी जीडी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार का नाम रोशन किया। जिनका चयन सीमा सुरक्षा बल यानि बीएसएफ में हुआ। वही बेटी के सफलता के बाद परिजनों सहित पूरे गांव के लोगों में खुशी का माहौल है। इस संदर्भ में गांव के लोगों ने बताया कि पूरे गांव की लड़कियों में नेहा पहली ऐसी लड़की हैं जो सरकारी नौकरी के लिए चयनित हुई। नेहा की कामयाबी के बाद अन्य बेटियों में भी अब देश की सुरक्षा प्रहरी के रूप में फौज बनने की जज्बा देखने को मिल रही है।जिसको लेकर गांव के लोगों में भी अब अपनी बेटियों को उच्च श्रेणी की शिक्षा देने के लिए संकल्पित नजर आ रहें। बेटी नहीं की सफलता के बाद उसके पिता श्याम बिहारी राम ने कहा कि वह कभी अपनी बेटी की शादी की बात करने के बजाय उसको जिला के सासाराम भेज कर डिप्लोमा इन फामेर्सी की पढ़ाई पूरा कराने के बाद प्रतियोगी परीक्षा के लिए कंपटीशन की तैयारी कराई। सफलता के बाद नेहा ने इसका श्रेय अपने माता-पिता सहित शिक्षकों को दिया। साथ ही बताया कि उसका सपना था कि वह फौज में शामिल होकर देश के प्रति अपने सेवा समर्पित कर सकें।

उत्पाद विभाग पर हमला मामले में 9 नामजद और 20-25 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र के धारूपुर गांव में उत्पाद विभाग पर हमला मामले में अवर निरीक्षक अजित कुमार के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। जिसमें 9 लोगों को नामजद तथा 20-25 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर ली है तथा लगभग 4 लीटर शराब बरामद किया गया है। इस मामले एसडीपीओ बिक्रमगंज संकेत कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को दोपहर तीन बजे छापेमारी की गई। जिसमें तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। दो अलग अलग स्थानों से लगभग 4 लीटर शराब बरामद किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि सोमवार की रात उत्पाद विभाग के टीम पर हुए हमला में अवर निरीक्षक के जख्मी होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी थी। उसी रात चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। उनलोगों के बयान के आधार पर मंगलवार को थानाध्यक्ष बिक्रमगंज ललन कुमार और उत्पाद विभाग के टीम के साथ छापेमारी की गई। रवि कुमार पिता बैजू सिंह के घर पर छापेमारी की गई। जहाँ से भूसा वाले घर से दो बोतल बियर बरामद किया गया। हालांकि अभियुक्त फरार हो गया। छापेमारी के क्रम में चिंटू पासवान पिता स्व. गिरधारी पासवान के घर से 1.550 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया तथा मौके पर से चिंटू पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा दो अन्य आरोपी गोल्डेन कुमार पिता बुधन सिंह, भुली कुमार पिता कणकण पासवान को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक अजित कुमार के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें 9 नामजद तथा 20 - 25 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई की जा रही है।

काराकाट थाना के बाहर से पैक्स अध्यक्ष की बाइक चोरी,मामला आया प्रकाश में

काराकाट । काराकाट थाना के बाहर से बाइक चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है । पीड़ित पैक्स अध्यक्ष ने अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित आवेदन दी है । काराकाट थाना क्षेत्र के अमरथा पंचायत पैक्स अध्यक्ष लालमोहर सिंह ने बताया कि मंगलवार को दोपहर वह अपनी बाइक को काराकाट थाना के गेट से बाहर महज 8 से 10 मीटर दूर खड़ी कर थाना परिसर में चले गए । उन्होंने बताया कि भाई-भाई की आपसी विवाद को लेकर बीते दिन मैंने आवेदन पुलिस को दिया था,जिसके लिए मैं थाने आया था ।जब 30-40 मिनट बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक वहा से गायब थी । पैक्स अध्यक्ष ने अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित आवेदन देते हुए बाइक को बरामद करने की गुहार लगाई है । पैक्स अध्यक्ष ने आवेदन में बताया कि हीरो हौंडा गाड़ी इ फ24 अ ऊ 4971 गाड़ी नंबर है उसके डिक्की में चेक बुक सहित जरूरी कागजात भी थी जिसे गाड़ी के साथ चुरा लिया। उधर काराकाट थाना प्रभारी भागीरथ कुमार ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि दरअसल आपसी पारिवारिक विवाद मामले में आवेदन उपरांत आवेदकों को कई बार थाना में बुलाया गया कभी एक भाई आते हैं, कभी एक भाई नहीं आते हैं। ऐसे में थाना के बाहर से गाड़ी चोरी का मामला संदेहास्पद है, ऐसे में गाड़ी चोरी होने का कोई ठोस प्रमाण आवेदक द्वारा नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है जांचोपरांत प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है ।

मांगों को लेकर 20 अगस्त से आंदोलन करेंगे विद्युत कार्यपालक सहायक

रोहतास । बिहार राज्य विद्युत कार्यपालक सहायक सेवा संघ द्वारा राज्यकर्मी का दर्जा, स्थायीकरण, अनुकंपा पर नियुक्ति, आकस्मिक निधन पर उपादान समेत 11 सूत्री मांगों को लेकर 20 अगस्त से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मो. आदिल खान ने कहा कि यदि 3 सितंबर तक सरकार मांगें पूरी नहीं करती है तो कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र भेजा गया है। दूसरी तरफ 20 से 22 अगस्त तक सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायक काला बिल्ला लगाएंगे एवं 23 अगस्त को जिला मुख्यालय में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। 24 अगस्त को कार्यपालक सहायक गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन और 28 और 29 अगस्त को सांकेतिक उपस्थिति के साथ कार्य बहिष्कार करेंगे। जबकि 2 से 3 सितम्बर तक सामूहिक अवकाश पर रहकर विरोध जताएंगे। इसके बाद भी मांगे पूरी नहीं होती हैं तो 7 सितंबर से बेमियादी हड़ताल पर चले जाएंगे। कार्यपालक सहायक ने बताया कि वह विभिन्न विभागों में विगत 14 से 15 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे हैं परंतु अब तक हमारा सेवा संवर्ग का गठन नहीं किया गया है व विभिन्न मांगों को लेकर बार बार सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद मांगों पर किसी तरह का पहल नहीं की जा रही है। 11 सूत्री मांगें में सेवा संवर्ग का गठन कर स्थायीकरण करते हुए राज्य कर्मी का दर्जा एवं वेतनमान दिया जाना, पूर्व में हटाए गए कार्यपालक सहायकों का समायोजन किया जाना, सेवा स्थाई होने तक पे-मैट्रिक्स के आधार पर वेतन निर्धारण किया जाना, पूर्व के हड़ताल की अवधि को अवकाश में समायोजित करते हुए मानदेय का भुगतान किया जाना, इपीएफ का आच्छादन नियुक्ति तिथि से किया जाना, चिकित्सा सेवा का लाभदिया जाना, कार्यपालक सहायक के पद की योग्यता मैट्रिक से उन्नयन कर इंटरमीडिएट किया जाना, सेवा के दौरान मृत्यु होने पर आश्रित को अनुकंपा के तहत नौकरी व कम से कम 40 लाख रुपया उपादान दिया जाना आदि शामिल

भूमि सुधार विभाग द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महा-अभियान में पहले स्थान पर रहा शेखपुरा

राजस्व महा-अभियान : 3 दिन में 23 लाख से अधिक जमाबंदी पंजी की प्रतियों का हुआ वितरण

एजेंसी। पटना

राजस्व महाझअभियान के तहत बिहार में सिर्फ 3 दिनों में 23 लाख से अधिक जमाबंदी प्रतियां वितरित किये गये। प्रतियां वितरण में पहले स्थान पर शेखपुरा, दूसरे स्थान पर जहानाबाद, तीसरे नंबर पर कैमूर, चौथे स्थान पर नवादा एवं पांचवें नंबर पर पूर्णिया रहा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महा-अभियान में महज 16 अगस्त से 18 अगस्त तक तीन दिनों में ही बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्यभर में तीन दिनों में अबतक 23 लाख से अधिक जमाबंदी पंजी की प्रतियां रैयतों के बीच वितरित की जा चुकी हैं। सर्वाधिक जमाबंदी के वितरण में शेखपुरा पहले स्थान पर है। वहां कुल जमाबंदी के 24.02 फीसदी जमाबंदी प्रतियों का वितरण किया गया है। दूसरे नंबर पर जहानाबाद, तीसरे नंबर पर कैमूर, चौथे नंबर पर नवादा एवं पांचवें नंबर पर पूर्णिया है।जहानाबाद में 14.48 फीसदी, कैमूर में 13.78 फीसदी, नवादा में 13.72 फीसदी एवं पूर्णिया में 11.35 फीसदी जमाबंदी की प्रतियों का वितरण तीन दिनों में कर दिया गया है। छठे स्थान पर अररिया है। यहां 11.16 फीसदी वितरण हुआ है। सातवें स्थान पर खगड़िया है। यहां 11.15 फीसदी वितरण हुआ है। आठवें स्थान पर वैशाली है और यहां 10.41 फीसदी जमाबंदी की प्रति का वितरण हो गया है। नौवें स्थान पर गोपालगंज एवं दसवें स्थान पर किशनगंज है। यहां क्रमशः 10.28 फीसदी एवं 9.29 फीसदी जमाबंदी की प्रतियों का वितरण रैयतों के बीच कर दिया गया है।बताते चलें कि राज्य के सभी 38 जिलों में कुल जमाबंदी की संख्या 3 करोड़, 59 लाख, 88 हजार 935 है। तीन दिन में सभी जिलों में कुल 23 लाख 08 हजार 574 जमाबंदी प्रति का वितरण रैयतों के बीच कर दिया गया है। ये कुल जमाबंदी का 6.41 फीसदी है। इस अभियान के तहत गांवझगांव जाकर राजस्व विभाग की टीमें लोगों को उनकी जमीन से जुड़ी जमाबंदी की प्रति उपलब्ध करा रही है। टीम द्वारा जमाबंदी की प्रति के साथझसाथ आवश्यक आवेदन प्रपत्र भी मौके पर उपलब्ध कराई जा रही है।इस राजस्व महाझअभियान के दौरान जमीन के अभिलेखों की अशुद्धियों का त्वरित सुधार, बंटवारा नामांतरण, उत्तराधिकार नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाइन करने का काम हो रहा है। इस महाझअभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को अपने कागजात में सुधार के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है।

क्रिप्टो में बदलकर 101 करोड़ विदेश भेजने वाला पिता-पुत्र गिरफ्तार

मोतिहारी। यूपी पुलिस ने भारत-नेपाल सीमावर्ती मोतिहारी जिले के घोड़ासहन से साइबर ठगी में संलिप्त पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों चाइनीज लोनिंग एप के जरिए ठगी कर रुपये को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेजते थे। इस मामले में टेरर फंडिंग की आशंका भी जताई जा रही है।पकड़े गए आरोपित घोड़ासहन वीरता चौक निवासी गोलू कुमार जायसवाल और उसके पिता भूषण कुमार चौधरी हैं। इनके पास से पुलिस ने एक लैपटॉप, पांच एंड्रॉयड मोबाइल फोन, सात आधार कार्ड, 2650 भारतीय रुपये और 100 नेपाली रुपये बरामद किए हैं। बलरामपुर (यूपी) के एसपी ने बताया कि विकास कुमार नामक युवक की शिकायत पर साइबर ठगी का मामला दर्ज हुआ था। जांच के दौरान गिरोह का सरगना नवादा जिले के पथरा इंग्लिस गांव निवासी सस्पियर समेत पांच लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब सस्पियर के नेटवर्क से जुड़े घोड़ासहन के पिता-पुत्र को भी दबोच लिया गया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने पांच भारतीय और एक नेपाली बाइनेंस आईडी का इस्तेमाल कर लगभग 101 करोड़ रुपये विदेश भेजे हैं। सबसे अधिक लेन-देन गोलू की आईडी से हुआ है, जबकि दूसरी बड़ी रकम उसके पिता भूषण की आईडी से ट्रांसफर हुई है।

सीएम नीतीश कुमार ने एलएन मिश्र इंस्टीट्यूट का किया निरीक्षण, क्लासरूम में जाकर छात्र-छात्राओं से की बातचीत

सीएम ने एकेडमिक ब्लॉक, टेक्निकल ब्लॉक, लैब, प्रशासनिक भवन, क्लास रूम सहित पूरे परिसर का किया निरीक्षण

2006 से चल रही है अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया

बिहार सरकार ने वर्ष 2006 से शिक्षा विभाग के तहत मृत शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी. पहले इन्हें शिक्षक पद पर नियुक्त किया जाता था, लेकिन आवश्यक योग्यताओं की कमी के चलते यह प्रणाली संशोधित की गई।

पटना में 240 अभ्यर्थियों को मिला मौका

आज पूरे राज्य में कुल 5353 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गई, जिसमें 4835 विद्यालय लिपिक और 518 विद्यालय परिचारी शामिल हैं. अकेले पटना जिले में 212 लिपिक और 28 परिचारी नियुक्त किए गए हैं।

2020 में आया बड़ा बदलाव

वर्ष 2020 में सरकार ने नया प्रावधान किया, जिसके अंतर्गत ऐसे अभ्यर्थियों को विद्यालय लिपिक और विद्यालय परिचारी के पदों पर नियत वेतन पर नियुक्त किया जाने लगा। यह व्यवस्था वर्ष 2024 तक लागू रही और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए.

एजेंसी। पटना

अनुकंपा के आधार पर 5353 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र, सीएम नीतीश कुमार बोले- ईमानदारी से करें काम111मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अनुकंपा के आधार पर माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 4835 विद्यालय लिपिक और 518 विद्यालय परिचारी के पदों पर चयनित कुल 5353 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से मणि कुमारी, अमित गौरव, दिव्या राज, किरण कुमारी गुप्ता और तूबा अशरफ को नियुक्ति पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे।ज्ञातव्य है कि वर्ष 2006 से शिक्षा विभाग में मृत शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर शिक्षक पद पर नियुक्ति का प्रावधान था। लेकिन जिन आश्रितों की योग्यता शिक्षक पद के लिए उपयुक्त नहीं थी, उन्हें 2020 से नियोजन इकाई के माध्यम से विद्यालय लिपिक और विद्यालय परिचारी के नियत वेतन पर नियुक्त किया जाने लगा। वर्ष 2024 तक यह प्रक्रिया जारी रही। वर्तमान में राज्य सरकार ने विद्यालय लिपिक और विद्यालय परिचारी को भी राज्यकर्मी की श्रेणी में लाते हुए उनकी नियुक्ति और सेवा शर्तों को बेहतर बनाया है।आज पूरे राज्य में 4835 विद्यालय लिपिक और 518 विद्यालय परिचारी की नियुक्ति की गई है। केवल पटना जिले में ही 212 विद्यालय लिपिक और 28 विद्यालय परिचारी नियुक्त हुए हैं।कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मौके पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार और कुमार रवि, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक मयंक वरवड़े, शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव और दिनेश कुमार, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह, प्राथमिक शिक्षा की निदेशक साहिला, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. सहित अन्य वरीय अधिकारी और नियुक्तिपत्र पाने वाले अभ्यर्थी मौजूद थे।

प्रदेश को मिली मेंस हॉकी हीरो एशिया कप 2025 की ट्रॉफी, गौरव यात्रा पहुंची मुजफ्फरपुर

एजेंसी। राजगीर

मेन्स हॉकी हीरो एशिया कप 2025 की ट्रॉफी लेकर निकली गौरव यात्रा मंगलवार को मुजफ्फरपुर पहुंची। समाहरणालय परिसर में आयोजित भव्य समारोह में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने ट्रॉफी का स्वागत किया और खिलाड़ियों एवं युवाओं का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर डीएम ने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि बिहार पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता का मेजबान बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार खेल के क्षेत्र में और आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम में जिले के खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, खेल प्रशिक्षकों और आम नागरिकों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। माहौल पूरी तरह खेलमय नजर आया और हर कोई गर्व से भरा दिखाई दिया। खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गौरव यात्रा के तहत ट्रॉफी को राज्य के सभी 38 जिलों में प्रदर्शित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खेलों के महत्व का प्रसार करना और अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि मेन्स हॉकी हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन 29 अगस्त से 07 सितंबर 2025 तक राज्य खेल अकादमी, राजगीर (नालंदा) में किया जाएगा। इसमें भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, ओमान और चाइनीज ताइपे की पुरुष हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। डीएम ने कहा कि यह आयोजन बिहार को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर भी विशेष पहचान दिलाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पंचायत से लेकर प्रमंडल स्तर तक खेलों को बढ़ावा देने के लिए ठोस पहल की है। यह गौरव यात्रा बिहार के हर जिले में खेलों के प्रति नई चेतना जगाएगी और राज्य की खेल पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचला, 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

किशनगंज। किशनगंज में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मस्तान चौक के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्रैक्टर का चक्का बाइक सवार के ऊपर चढ़ गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान कुरलीकोर्ट निवासी 22 वर्षीय प्रदीप कुमार सिंह के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। किशनगंज में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मस्तान चौक के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्रैक्टर का चक्का बाइक सवार के ऊपर चढ़ गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही ठाकुरगंज थाना अध्यक्ष मकसूद आलम के निर्देश पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, किशनगंज भेज दिया।

बिहार में बंद उद्योगों को दोबारा शुरू करने का सुनहरा मौका, बियाडा ने जारी की एमनेस्टी नीति

एजेंसी। पटना

बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) ने बियाडा एमनेस्टी नीति 2025 जारी की है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक भूखंडों पर चल रही मुकदमेबाजी को कम करना और मुकदमेबाजी पर खर्च हो रहे पैसे और समय को बचाना है। इसके साथ ही वैसी इकाइयां जो काफी समय से बंद या खाली पड़ी हैं, उनकी औद्योगिक भूमि को फिर से उद्योग के काम में लाना है। इससे बंद पड़ी उद्योगों को दोबारा शुरू करने का मौका दिया जाएगा। यह नीति 31 दिसंबर 2025 तक लागू होगी। सरल शब्दों में कहा जाए तो बियाडा एमनेस्टी पॉलिसी 2025 उन उद्योगों को मौका देती है जिनका आवंटन विवादों या काम न होने की वजह से अटक गया है। इस नीति से वे अपनी समस्याओं को सुलझाकर दोबारा उद्योग चला सकते हैं, जिससे बिहार में औद्योगीकरण और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा। बिहार में उद्योग से जुड़ी मुकदमेबाजी लगातार बढ़ रही है। इससे उद्योग लगाने में परेशानी होती है, इसलिए यह नीति एक समाधान के रूप में लाई गई है। इसके तहत जो इकाइयां इस नीति का लाभ लेना चाहती हैं, वे स्वेच्छा से आगे आ सकती हैं। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे उद्योग शुरू करने या आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाएं। इससे औद्योगिक विकास होगा और लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बनेंगे। पिछले कुछ सालों में बियाडा ने देखा कि कई औद्योगिक इकाइयां या तो बिल्कुल काम नहीं कर रही थीं, या बहुत कम उत्पादन कर रही थीं। इस पर बियाडा ने इन इकाइयों का निरीक्षण किया और नोटिस जारी

छपरा जंक्शन पर सीनियर इंजीनियर की मौत

छपरा। मंगलवार को बिहार के छपरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पूर्वोत्तर रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर राकेश कुमार यादव की अचानक तबीयत खराब हो गई. वे अपने उच्च अधिकारियों के साथ निरीक्षण के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़े. इससे प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई. घटना के तुरंत बाद राकेश कुमार को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया. चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर किया. वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. अभी तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है.52 वर्षीय राकेश कुमार यादव मूल रूप से नालंदा जिले के हिलसा के निवासी थे. लेकिन, उनका परिवार वर्तमान में पटना में रहता है. उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार के सदस्य तुरंत अस्पताल पहुंच गए, जहां वे अपने करीबी रिश्तेदार की अंतिम दर्शन के लिए इकट्ठा हुए।

अब फॉल्ट आने पर भी नहीं होगी बिजली गुल

बिहार में 2 दिन बारिश मचाएगी तबाही, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून एक बार फिर जोर पकड़ने जा रहा है और ऐसे में अब मौसम विभाग ने 20 और 21 अगस्त के लिए पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 20 अगस्त को आधे बिहार में ऑरेंज अलर्ट और आधे में यलो अलर्ट रहेगा, जबकि 21 अगस्त को पूरे राज्य में यलो अलर्ट लागू होगा। खासकर किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर, बांका, सुपौल, अररिया और कटिहार जैसे जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की भी आशंका है, जिसके लिए लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ट्रफ और चक्रवातीय गति के कारण बारिश की तीव्रता बढ़ेगी। खासकर उत्तरी और पूर्वी बिहार के जिलों में इसका असर सबसे ज्यादा दिखेगा। 20 अगस्त को किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर और बांका में भारी बारिश के साथ बाढ़ और जलभराव का खतरा है। वहीं, 21 अगस्त को सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में भारी बारिश की संभावना है। इन जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। इस दौरान किसानों को खेतों में काम न करने और खुले में न रहने की सलाह दी गई है क्योंकि बिजली गिरने की घटनाएं बिहार में लगातार जानलेवा साबित होती रही हैं।इस मानसून सीजन में बिहार के कई जिलों में बारिश की कमी एक बड़ी चिंता रही है। अब तक केवल 498.9 मिमी बारिश दर्ज हुई है जो सामान्य 666.9 मिमी से 25% कम है। सीतामढ़ी में 56%, सुपौल और सहरसा में 54% और गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चंपारण जैसे जिलों में 40% से ज्यादा कमी देखी गई है। इस कमी ने खेती और पानी की उपलब्धता पर असर डाला है और कई इलाकों में सूखे का खतरा मंडरा रहा है।

सुभाषितम्

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। -जे. के. रालिंग

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव?

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग को संवैधानिक रूप से सबसे निष्पक्ष और स्वतंत्र संस्था का दर्जा प्राप्त है। चुनाव आयोग का काम न केवल चुनाव कराना है। प्रत्येक नागरिक के मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनावी प्रक्रिया पर जनता और सभी राजनीतिक दलों के विश्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी चुनाव आयोग की है। बीते कुछ वर्षों में बार-बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। चुनाव मे ईवीएम की कार्य प्रणाली को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता संदिह की दृष्टि से देखी जा रही है। यही कारण है, अब विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मंथन शुरू कर दिया है। जल्द ही अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की जा रही है। विपक्ष का आरोप है, चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। चुनावी बांड, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार गिराने एवं राजनीतिक दलों को मान्यता पर कई सवाल खड़े हुए। मतदाता सूची की विसंगतियों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठते सवाल, सत्ता पक्ष द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर कार्यवाही नहीं करना, विपक्ष की शिकायतों पर चुनाव आयोग द्वारा स्पष्ट और भरोसेमंद जवाब नहीं देने से विपक्ष का चुनाव आयोग पर विश्वास खत्म हो गया है। चुनाव आयोग न्यायालय प्रक्रिया की आड़ में विपक्ष को उलझाकर सत्ता पक्ष को जिस तरह का फायदा पहुंचा रहा था। इसका भंडाफोड़ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर दिया है। उसके बाद से विपक्ष को जरा भी विश्वास, चुनाव आयोग पर नहीं रहा। विपक्ष का सीधा आरोप चुनाव आयोग के ऊपर है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर कई संवेदनशील मामलों पर सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाने में गड़बड़ी की उसके बाद खामोशी ओढ़ ली। विपक्ष की शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाया है। जिस तरह से चुनाव आयोग मनमाने ढंग से नियम बदल रहा है। सरकार कानून बदल रही है। मनमाने ढंग से चुनाव आयोग मे आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है। उससे विपक्षी दलों का अविश्वास चुनाव आयोग पर बढ़ता ही जा रहा है। अब सवाल यह है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने से स्थिति में सुधार होगा? संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग को काफी सुरक्षा मिली हुई है। मोदी सरकार ने जो नया चुनाव कानून बनाया है। उसमें चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकती है। यह सुरक्षा इसलिए है, ताकि चुनाव आयोग पर राजनीतिक रूप से कोई दबाव नहीं बना सके। अगर विपक्ष, संसद में इस मुद्दे को उठाकर अविश्वास प्रस्ताव पेश करता है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को संसद के अंदर विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देना होगा। सीधे तौर पर लोकतांत्रिक विमर्श से संसद के अंदर नई दिशा मिलेगी। भले बहुमत के आधार पर प्रस्ताव पास होना कठिन हो। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से आयोग की जवाबदेही तय करना चाहता है। विपक्ष का यह कदम लोकतंत्र की कसौटी चुनाव आयोग को कसे जाने का महत्वपूर्ण कोशिश है। चुनाव आयोग पर जनता का विश्वास एक बार डगमगा गया, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार ही खत्म हो जाएगा। विपक्ष की यह पहल केवल राजनीतिक प्रतिरोध नहीं मानी जा सकती है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। विपक्ष अभी बिहार से जो जन यात्रा निकाल रहा है। उसमें वह संविधान मे मिले नागरिकों के मूल अधिकार, मताधिकार और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ने की बात कह रहा है। हर नागरिक को अपने मताधिकार और चुनावी प्रक्रिया में नागरिक अधिकार सुरक्षित करने की बात कह रहा है।

चिंतन-मनन

ध्वनि तरंगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगों से भी रोगों के उपचार होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सूक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणों के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरंगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरंगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविद्यालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राउन ने ध्वनि तरंगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निर्माण गुम्बजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नहीं निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नहीं करती थी। मन्दिर में एक इष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका वैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तरंगें बाहर न जाकर गुम्बजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

186 वर्षों में कितनी बदल गई तस्वीरों की दुनिया?

- योगेश कुमार गोयल

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए फोटो स्टूडियो तक जाना पड़ता था लेकिन अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज बिल्कुल बदल चुकी है। हालांकि यह अलग बात है कि हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर कम ही हैं। दरअसल एक अच्छा फोटो प्राप्त करने की पहली शर्त है आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य को कैमरे की मदद से एक फ्रेम में बांधना, प्रकाश, छाया, कैमरे की स्थिति, उचित एक्सपोजर तथा उचित विषय का चुनाव करना इत्यादि। अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम से बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है। जब तक किसी फोटो में मानवीय संवेदनाएं नजर नहीं आएंगी, तब तक उसे बेहतर तस्वीर नहीं माना जा सकता। किसी भी फोटो में स्पष्ट दिखने वाली ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं के कारण ही प्रायः कहा भी जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होता है। इसलिए कोई भी फोटो तकनीकी रूप में कितना ही अच्छा क्यों न हो, वह तब तक सर्वमान्य नहीं हो सकता, जब तक कि वह मानवीय संवेदना को झकझोर न दे। किसी भी उत्पाद के प्रचार के लिए, बनाए जाने वाले विज्ञापन को आकर्षक बनाने में भी एक अच्छे फोटोग्राफर का योगदान बहुत बड़ा होता है। फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष ‘मेरी पसंदीदा तस्वीर’ थीम के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरूआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था। विश्व फोटोग्राफी दिवस आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली ‘फोटोग्राफी प्रक्रिया’ माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द ‘फोटोज’ (प्रकाश) और ‘ग्राफीन’ (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हर्शेल ने पहली बार ‘फोटोग्राफी’ शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रेंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए ‘विश्व फोटोग्राफी दिवस’ मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। अपने आविष्कार के 186 वर्षों लंबे इस सफर में फोटोग्राफी ने अनेक आयाम देखे हैं। सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी का तो आज की युवा पीढ़ी पर जुनून सा छाया है लेकिन विश्व की पहली सेल्फी 186 वर्ष पूर्व अर्थात वर्ष 1839 में ही ली गई थी और यह सेल्फी ली थी अमेरिकन फोटोग्राफर रॉबर्ट कॉर्नेलियस ने। उन्होंने अपने कैमरे को सैट करने के बाद लेंस कैप को हटाकर फ्रेम में चलकर फोटो ली थी, जिसे अब सेल्फी कहा जाता है। हालांकि उस समय स्वयं कॉर्नेलियस को भी नहीं पता था कि उनके द्वारा उस अंदाज में खींचा गया वह फोटो भविष्य में सेल्फी के रूप में जाना जाएगा। कॉर्नेलियस द्वारा ली गई सेल्फी वाली वह तस्वीर आज भी यूनाइटेड स्टेट लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस प्रिंट में उपलब्ध है।

तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

स्वदेशी रेल चक्का व धुरा कारखाना की कहानी

- विनोद तकियावाला

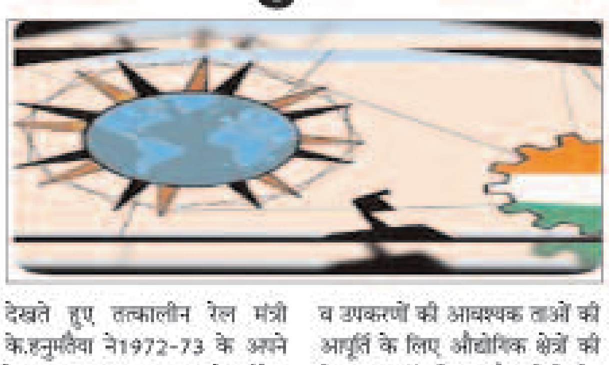

आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है, आर डब्लू एफ की ऐतिहासिक सफर देश ने विगत दिनों अपना 79 वें स्वतंत्रता दिवस मनाया है। इस के पावन पुनीत अवसर पर हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले के प्राचीर से देश की जनता को सम्बोधित करते हुए स्वदेशी अपनानें की मार्मिक अपील की है। जो प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। आज हम इससे मिलती जुलती वाक्या से आप सभी को अवगत कराने वाले है। विश्व की सबसे बड़े लोकतंत्र की भारतीय रेल प्रणाली जो सबसे सस्ती व सुरक्षित मानी जाती है। बल्कि भारत के विकाश यात्रा में बहुमूल्य योग्यदान कर रही है। उसी रेलगाड़ी में दशकों से अपनी अहंम भुमिका निभाने वाली पहिया (व्हील)व धुरा(एक्सल) की निमार्ता कम्पनी है। आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है । आर डब्लू एफ की ऐतिहासिक सफर, जिसकी पृष्ठभुमि सन1970 के दशक के आरंभ है। जब रेलवे पहिये के लिए टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी तथा हिन्दुस्तान स्टील, दुर्गापुर पर निर्भर थी। टाटा का संयंत्र से रेलवे की आवश्यकताओं की पूर्ति ना होने के कारण दुर्गापुर व्हील एंड एक्सल संयंत्र की योजना बनाई गई। हाँलाकि इन दोनों इकाइयों से रेलवे की आवश्यकताओं की पुर्ति नही होने के कारण भारतीय रेलवे को पहियों, धुरों काफी हद तक विदेशों से आयात करना पड़ रहा था, जिसकी लागत अधिक थी। वही वैश्विक बाजारों में आयें दिनों कीमतें लगातार बढ़ने के हमारा विदेशी मुद्रा का भंडार खाली हो रही थीं। पहियों के आयात का वित्त पोषण और विदेशों से आपूर्ति में देरी ने वैगन निर्माण और रोलिंग स्टॉक रखरखाव पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए तत्कालीन रेल मंत्री के.हनुमंतैया ने1972-73 के अपने रेल बजट (सालाना बजट से पूर्व रेल बजट रेल मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जाता था)भाषण में घोषणा की कि हमें कुछ शक्तिशाली देश द्वारा विदेशी सहायता बंद होने या बंद होने की धमकी मिल रही है। अतःभारत सरकार ने आत्म निर्भरता की नीति को प्रोत्साहन देगा। इस आत्म निर्भरता की नीति को रेलवे पहियों और धुरों और कर्षण गियर के निर्माण के लिए दो नई परियोजना ओं का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि अभी तक हम पहियों और धुरों की हमारी आवश्यकताएं केवल स्वदेशी उत्पादन से आंशिक रूप से पूरी होती है। हम अपने आवश्यकता को विदेशों से 5.8 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत से खरीद रहे हैं। पहियों और धुरों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इस नए प्रस्तावित संयंत्र एक और रेलवे उत्पादन इकाई होगी और प्रति वर्ष लगभग 20, 000 पहिए और 25, 000 ढीले पहिये का उत्पादन करेगी, जिससे रेलवे वस्तुतः आत्म निर्भर हो जाएगी। इसके लिए एच.एस.कपूर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट बनाने की क्षमता वाले व्हील और एक्सल प्लांट की आवश्यकता की पुष्टि की गई। इसके अलावा, स्क्रैप और कच्चे माल के परिवहन में आसानी, फोर्जिंग एक्सल के लिए ब्लूम की उपलब्धता, औजारो व उपकरणों की आवश्यक ताओं की आपूर्ति के लिए औद्योगिक क्षेत्रों की निकटता, ऑक्सीजन और एसिटिलीन गैस, इलेक्ट्रोड और ग्रेफाइट मोल्ड, बिजली शुल्क आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए एक विस्तृत अध्ययन किया गया। नए प्लांट की स्थापना के लिए पंजाब और मैसूर(अब कर्नाटक)राज्यों में विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण किया गया, जहाँ बिजली शुल्क सबसे कम था। इसके बाद नागपुर, नवलूर, पाणियाकन हल्ली, येलहंका, रायचूर और मैसूर को सूची में शामिल किया गया। अंततःयह येलहंका, जो बैंगलोर शहर का एक उपनगर को सबसे अच्छा स्थान माना गया, जो व्हील और एक्सल प्लांट की स्थापना के लिए अधिकांश शर्तों को पूरा करता था। बाद में, इसके लिए बोर्ड कार्यालय में एक मुख्य परियोजना अधिकारी और एक उप परियोजना अधिकारी की सदस्यता वाली एक परियोजना टीम का गठन किया गया, जिसने येलहंका में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विस्तृत अध्ययन करने और कदम उठाने का काम किया। सन 1972 के अंत में, विशेष कार्य अधिकारी (परियोजना औरउत्पादन इकाईयाँ) और मुख्य परियोजना अधिकारी (व्हील और एक्सल प्लांट)की एक उच्च स्तरीय टीम को उपकरणों और प्रक्रियाओं का विशिष्ट अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए यूरोप, अमेरिका और कनाडा में प्रतिनियुक्त किया गया था। इस टीम के दौरों के दौरान ग्रिफिन व्हील कंपनी, अमेरिका से कास्ट व्हील तकनीक और ऑस्ट्रिया से जीएफएम प्रकार की लांग फोर्जिंग मशीन द्वारा एक्सल की फोर्जिंग के विचारों को अपनाया गया। इस नई परियोजना हेतु विश्व बैंक से वित्तीय सहायता ली गई। 18 जनवरी1980को भारत के तत्का लीन राष्ट्रपति श्री नीलम संजीव रेड्डी ने कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट के निर्माण के लिए व्हील एंड एक्सल प्लांट(अब रेल व्हील फैक्ट्री, आर डब्लु एफ को राष्ट्र को समर्पित किया। जिसका पहला ट्रायल व्हील 30 दिसंबर1983 को कास्ट किया गया था और पहला एक्सल मार्च 1984 में फोर्ज किया गया था। इस कारखाना के सफल परीक्षणों के बाद, प्लांट का औपचारिक उद्घाटन15 सितंबर1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया। जिसकी उत्पादन 56, 700 कास्ट व्हील और 23, 000 फोर्ज्ड एक्सल की वार्षिक प्लांट क्षमता से शुरू होकर, आज इस कारखाना की उत्पादन क्षमता सेअधिक है। वर्तमान के वित्तीय वर्ष 2024-2025 -2, 01, 150अच्छे व्हील का निर्माण किया जो रेपका के इतिहास में सर्वाधिक निष्पादन है। वही 2024-2025 में93880 धुरों (एक्सल)विनिर्माण किया जो रेपका का दूसरा सर्वाधिक निष्पादन है। 2024-2025 में 98350 व्हीलसेट पेषण किया गया, जो एक रिकार्ड है। यहाँ पर अपवर्ड प्रेशर पोरिंग प्रक्र प्रक्रिया द्वारा दो मिनट में एक पहिये ढाले (ग्रिफिन प्रौद्योगिकी)जाते है। धुरों (एक्सल)को गढ़कर 4-1/2 मिनट में मशीन द्वारा तैयार तथा प्रत्येक 4 मिनट में एक पहिया (व्हील)सेट एसेंबल किया जाता है।

दमन, उत्पीड़न व अत्याचार के विरुद्ध एकजुटता का सन्देश देता अरबईन मार्च

- तनवीर जाफरी

अरबईन अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है चालीस (40)। चूँकि इस्लाम धर्म में मे किसी व्यक्ति की मृत्यु के 40 दिन बाद उसकी याद में शोक आयोजन यानी चालीसवां मनाये जाने की परंपरा है इसलिये हजरत अली के पुत्र व पैग़ंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हजरत इमाम हुसैन व उनके परिजनों की शहादत के चालीसवें के दौरान इराक़ मे अरबईन मार्च आयोजित किया जाता है। अरबईन मार्च इराक़ में ही शुरू हुआ था क्योंकि करबला इराक़ में स्थित है और हजरत इमाम हुसैन की शहादत करबला में ही हुई थी। इस मार्च में भाग लेने के लिये धर्म व जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर दुनिया के सौ से अधिक देशों के करोड़ों लोग हजरत इमाम हुसैन के रौज़े पर हाज़िरी लगाने इराक़ के करबला शहर पहुँचते हैं। वैसे तो अरबईन मार्च का इतिहास सदियों पुराना है। इसकी शुरुआत 680 ईस्वी (61 हिजरी) में पैग़ंबर हजरत मुहम्मद के एक साथी जाबिर इब्न अब्दुल्लाह अल-अंसारी ने की थी। जाबिर ने आशूरा (दस मुहर्रम) के 40 दिन बाद करबला जाकर इमाम हुसैन की क़ब्र पर पहली ज़ियारत पढ़ी और करबला में अरबईन यानी हजरत इमाम हुसैन का चालीसवां मनाने की परंपरा की शुरुआत की। धीरे धीरे यहाँ पहुँचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गयी। परन्तु सद्दाम हुसैन ने अपने शासनकाल में अरबईन मार्च को प्रतिबंधित कर दिया था। 1979-2003 के मध्य सद्दाम के शासनकाल में यह मार्च पूरी तरह प्रतिबंधित रहा परन्तु जैसे ही 2003 में सद्दाम की सत्ता का पतन हुआ उसी समय यानी 2003 के अरबईन मार्च में ही पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु करबला की ओर निकल पड़े। आज स्थिति यह है कि पड़ोसी देशों के श्रद्धालु हजारों किलोमीटर तक का सफ़र पैदल तय कर करबला पहुँचते हैं। जबकि मुख्य मार्च हजरत अली के रौज़े नजफ़ से शुरू होकर 80 किलोमीटर दूर स्थित करबला में इमाम हुसैन के रौज़े के मध्य होता है। आज इसे दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक मानव समागम माना जाता है, जिसमें करोड़ों लोग पैदल चलकर भाग लेते हैं। इस बार अरबईन मार्च का समापन गत 15 अगस्त को हुआ जिसमें रिकार्ड लगभग सवा दो करोड़ लोगों ने शिरकत की। यह मार्च पश्चिमी मीडिया की बेरुख़ी के बावजूद अपनी अनेक विशेषताओं के लिये पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करता है। जिस हुसैन व उनके परिवार के लोगों को करबला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा रहने को मजबूर किया गया और इसी भूख प्यास की शिद्दत के आलम में क्रूर सीरियाई शासक यज़ीद की सेना द्वारा उन्हें क़त्ल किया गया उसी हुसैन के रौज़े पर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को अरबईन मार्च के पूरे मार्ग पर दुनिया का सबसे महंगा, शुद्ध व स्वादिष्ट व्यंजन परोसा जाता है। करोड़ों लोगों के हर मर्ज की दवा इलाज, उनके लिये हर तरह के आराम की सारी सुविधायें सब कुछ मुफ़्त उपलब्ध कराई जाती हैं। और सबसे बड़ी बात यह कि इस मार्च पर अलक़ायदा व आई एस व दाईश जैसे आतंकी संगठनों की कुदृष्टि होने के बावजूद अभी तक इस मार्च में कभी कोई अनहोनी या दुर्घटना का समाचार नहीं मिला। ख़बर है कि इस बार भी इराक़ी सुरक्षा बलों ने अरबईन तीर्थयात्रियों को निशाना बनाने की साज़िश रचने वाले एक आतंकी सेल का पर्दाफ़ाश किया है। करबला के गवर्नर नासिफ जसीम अल-ख़त्ताबी के मुताबिक एक ख़ुफ़िया ऑपरेशन के दौरान 7 अगस्त, 2025 को 22 आतंकवादियों को गिरफ़्तार किया गया।

आज का राशिफल

मेष व्यापार के मामले में विशेष व्यवस्था कर सकते हैं और आपका ज्यादा समय भी इसी कार्य में बीतेगा।	**तुला** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है और भाग्य का भी साथ मिल सकता है।
वृषभ दिन अच्छा रहने वाला है और भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।	**वृश्चिक** आज कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहेगा और आपको लाभ कमाने के मौके मिल सकते हैं।
मिथुन आज कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है।	**धनु** दिन अच्छा रहेगा और आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है।
कर्क विशेष संपत्ति प्राप्त होने की संभावना बनी हुई है। इसे मामले में कुछ धन भी खर्च हो सकता है।	**मकर** व्यस्त रह सकते हैं। जरूरी कार्यों को भी समय पर पूरा करने की कोशिश करनी होगी।
सिंह आपको साथ मिल सकता है और आर्थिक मामलों में भी लाभ कमाने का मौका मिल सकता है।	**कुंभ** आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में भी दिन अच्छा रहने वाला है।
कन्या आज कार्यक्षेत्र में आज कई लोग आपकी सलाह लेने आपके पास आ सकते हैं।	**मीन** कार्यक्षेत्र में कामकाज सामान्य गति से चलेगा किए गए प्रयासों का फल भी प्राप्त हो सकता है।

विशेष

योगी और बृजभूषण सिंह का भरत मिलाप

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पिछले दिनों पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मिले। 31 महीने के बाद दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। इस 31 महीने में भाजपा में बहुत सारा पानी बह गया है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, योगी मुझसे बड़े हैं। इसलिए झुकना तो मुझे ही पड़ेगा। बहरहाल योगी और बृजभूषण के बीच वैसा ही मिलाप हुआ है। जैसा 14 वर्ष के वनवास से लौटने के बाद राम-लक्ष्मण का भरत से मिलाप हुआ था। इसको लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में तरह-तरह के कयास लगना शुरू हो गए हैं। आगे क्या होगा भगवान राम जाने।

सपा सांसद बर्क का अपना दर्द

संभल जिले के सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क का कहना है कि फतेहपुर जिले में 11 अगस्त को हिंदूवादी संगठनों ने पुलिस की मौजूदगी में मकबरे में घुसकर तोड़फोड़ की थी। इस मामले में पुलिस ने 10 नामजद समेत 150 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसी के साथ उन्होंने कहा कि फतेहपुर हिंसा की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। जिस तरह से वहां पर कानून को हाथ में लेने का काम किया गया, उन लोगों के खिलाफ अभी तक कोई खास कार्रवाई देखने को नहीं मिली। जिस तरीके से इस घटना में वहां के भाजपा जिला अध्यक्ष संलिप्त रहे, उनका नाम भी अभी तक रिपोर्ट में नहीं आया है। जबकि संभल में 24 नवंबर को जो घटना घटी, मैं उस दिन हजारों किलोमीटर दूर था। फिर भी मेरा नाम रिपोर्ट में आ गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1600: अकबर ने अहमदनगर पर कब्जा किया था. 1666: शिवाजी आगरा से औरंगजेब के शिकंजे से निकलने में सफल रहे. 1692: मेसाचुसेटस में छह व्यक्तियों को काला जादू के लिए मौत के घाट उतार दिया गया. 1796: फ्रांस और स्पेन ने ब्रिटेन के खिलाफ गठबंधन किया. 1914: ब्रिटिश नौसेना ने जर्मन युद्धपोत वेस्टफालेन को तारपीडो से भारी नुकसान पहुंचाया. 1940: द्वितीय विश्व युद्ध में इटली ने ब्रिटिश सोमालीलैंड पर कब्जा किया. 1966: पूर्वी तुर्की में भूकंप से पांच सौ से अधिक लोग मारे गए. 1971: दक्षिण वियतनाम में एन्गुएन वान थिउ राष्ट्रपति चुने गए. 1986: मध्य तेहरान में कार बम विस्फोट से 20 व्यक्ति मारे गए. 1988: इराक-ईरान युद्ध बंद होने के बाद राष्ट्र संघ ने दोनों की सीमाओं पर सैकड़ों प्रेक्षक तैनात किए. 1991: अमरीका और ब्रिटेन ने सोवियत संघ को सहायता रोक दी.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 231 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 15.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 01.08 बजे को रात्र समाप्त।
योग वज्र 20.30 बजे को समाप्त।
करण बालव 15.33 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872441
जूलियन दिन 2460906.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर तारीख 24
विशेष अजा एकादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.28 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	07.44 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.55 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.09 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.25 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.31 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.50 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.20 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	23.01 बजे से
		मिथुन	00.59 बजे से
		कर्क	03.12 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

शराब घोटाले में आईएएस विनय चौबे को मिली डिफॉल्ट बेल, कोर्ट ने रखी शर्त

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला मामले में आरोपित आइएएस विनय कुमार चौबे को बड़ी राहत मिली है। एसीबी कोर्ट ने विनय कुमार चौबे को डिफॉल्ट बेल की सुविधा प्रदान की है। हालांकि, विनय कुमार चौबे अभी जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे, क्योंकि वे हजारीबाग में जमीन से जुड़े एक मामले में भी आरोपित हैं, जिसमें उन्हें प्रोडक्शन पर ले जाया गया है। विनय कुमार चौबे फिलहाल रिम्स में इलाजरत हैं। शराब घोटाले में 92 दिन बाद भी चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर उनकी ओर से डिफॉल्ट बेल देने के लिए याचिका दायर की गई थी। अधिवक्ता देवेश अजमानी ने उनका पक्ष रखा। कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में मंगलवार को 92 दिन बीत गए हैं, लेकिन एसीबी ने चार्जशीट दाखिल नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में निर्देश दिया है कि अगर तय समय में चार्जशीट दाखिल नहीं की जाती है, तो आवेदक जमानत का हकदार हो जाता है। इसलिए विनय कुमार चौबे को जमानत दे दी जाए। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत की सुविधा प्रदान की। अदालत ने जमानत के लिए 25-25 हजार रुपये के दो निजी मुचलके जमा करने और अदालत की अनुमति के बिना राज्य से बाहर नहीं जाने तथा मोबाइल नंबर नहीं बदलने का निर्देश दिया है। एसीबी ने उन्हें उक्त आरोप में 20 मई को गिरफ्तार किया था। उसी दिन उन्हें न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया था। आरोप पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त थी। अगर मंगलवार को भी मामले में आरोप पत्र दाखिल नहीं होता है, तो दोनों आरोपी सुधीर कुमार दास और सुधीर कुमार भी डिफॉल्ट जमानत के पात्र होंगे।

21 अगस्त से मुश्किल होगा सफर, हैदराबाद-रक्सौल समेत 14 ट्रेनें अलग-अलग दिनों में रद; देखें पूरी लिस्ट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद, बोकारो व रांची होकर चलने वाली 14 ट्रेनें अगस्त व सितंबर माह के अलग-अलग दिनों में रद रहेंगी। इनमें हैदराबाद, सूरत, वास्को द गामा व मौर्य एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेल के अलग-अलग रेलखंडों पर तीसरी व चौथी रेल लाइन निर्माण के कारण ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा। इस वजह से ट्रेनें रद रहेंगी। संबलपुर से गोरखपुर के बीच चलने वाली मौर्य एक्सप्रेस संबलपुर स्टेशन पर विकास कार्यों के कारण सितंबर के पहले पखवाड़े में रद रहेगी। धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के विलंब से चलने के कारण मंगलवार की सुबह चलने वाली कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल देर से रवाना होगी। सुबह 7~50 के स्थान पर शाम 4~15 पर प्रस्थान करेगी। देर से चलने से शनिवार को विलंब से आने की संभावना है। पुरी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस अब आनंद विहार से चलेगी और वहीं से लौटेगी। सोमवार से नया बदलाव प्रभावी हो गया। पुरी से रात में रवाना हुई पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 20 अगस्त की सुबह नई दिल्ली के बदले आनंद विहार जाएगी। नई दिल्ली पहुंचने का समय अलसुबह 4~00 बजे है। आनंद विहार 10 मिनट पहले यानी अलसुबह 3~50 पर पहुंचेगी। वापसी में 20 अगस्त से चलने वाली नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस आनंद विहार से चलेगी। नई दिल्ली से रात 10~40 के बदले आनंद विहार से 10 मिनट देर से रात 10~50 पर प्रस्थान करेगी। अन्य किसी स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसे में यात्रियों को अब नई दिल्ली की जगह आनंद विहार से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को पकड़ना होगा।

राजस्थान पुलिस ने पलामू में मारा छापा, साइबर अपराधियों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले दो लोग गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। राजस्थान पुलिस ने पलामू के इलाके में छापेमारी की है। इस दौरान साइबर अपराधियों को बैंक खाता उपलब्ध करवाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को राजस्थान पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर अलवर ले गई है। गिरफ्तार आरोपी कुमार गौरव पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के बारालोटा और ओम प्रकाश यादव लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के राजहरा का रहने वाला है।

दरअसल, राजस्थान के अलवर इलाके में एमपी किसान ऐप के एपीके फाइल डाउनलोड करवा कर 95 हजार रुपये की साइबर ठगी हुई थी। राजस्थान पुलिस ने पूरे मामले में अनुसंधान किया तो पता चला कि ठगी के रुपए पलामू के कुमार गौरव और ओम प्रकाश यादव के बैंक खातों में ट्रांसफर हुई है। पुलिस ने जब बैंक खातों का डिटेल निकाला तो साइबर अपराध से जुड़े हुए करीब एक करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि बैंक खाता का इस्तेमाल के लिए उन्हें हर महीने पांच हजार रुपए किराया दिया जाता था। साथ ही पूरे महीने ट्रांजैक्शन का 25 प्रतिशत हिस्सा भी दिया जाता था। दोनों ने राजस्थान और झारखंड पुलिस को इस बात की भी जानकारी दी है कि बैंक खाता किनके कहने पर खोला गया था। दोनों आरोपियों के बैंक खातों में अलग-अलग माध्यम से ट्रांजैक्शन हुए हैं। इस संबंध में मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि राजस्थान पुलिस दोनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर ले गई है। दोनों के बैंक खातों से साइबर अपराध से जुड़े ट्रांजैक्शन हुए हैं।

एमजीएम कॉलेज में बड़ा बदलाव, ऑक्सीजन प्लांट से हाईटेक हॉस्टल तक हो रहा नया

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज के डिमना स्थित नए भवन में अत्याधुनिक लिक्विड आक्सीजन प्लांट की स्थापना को हरी झंडी दे दी गई है। इसके लिए जगह का चयन कर लिया गया है और सोमवार को टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। इसके साथ ही, मेडिकल कालेज में कई अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं के विस्तार का भी निर्णय लिया गया है, जिससे मरीजों के साथ-साथ डाक्टरों और विद्यार्थियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। यह अहम फैसले एमजीएम मेडिकल कॉलेज में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में लिए गए।

एमजीएम कालेज के नए परिसर में लिक्विड आक्सीजन प्लांट की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल प्रबंधन ने इसके लिए डिमना स्थित नए भवन में उपयुक्त जगह तय कर ली है और इसे स्थापित करने के लिए निविदा भी जारी कर दी है।

इस प्लांट के लगने से अस्पताल में आक्सीजन की कमी की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी, जिससे गंभीर और आपातकालीन स्थिति में मरीजों को निर्बाध रूप से ाक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। यह प्लांट विशेष रूप से सर्जरी और क्रिटिकल केयर यूनिट (आइसीयू) के लिए जीवन रक्षक साबित होगा।

पोस्टमार्टम हाउस का होगा आधुनिकीकरण : बैठक में वर्तमान पोस्टमार्टम हाउस की क्षमता को दोगुना करने का भी निर्णय लिया गया है। अब इसकी क्षमता बढ़ाकर 24 शवों को सुरक्षित रखने की कर दी जाएगी। इस विस्तार से शवों के प्रबंधन में आसानी होगी और विषम परिस्थितियों में भी व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहेगी।

पीजी विद्यार्थियों के लिए रिम्स की तर्ज पर हास्टल : एमजीएम कालेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों की आवासीय समस्या को भी सुलझा लिया गया है। बैठक में यह तय हुआ कि पीजी के छात्र-छात्राओं के लिए रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की तर्ज पर एक आधुनिक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

लंबे समय से विद्यार्थी छात्रावास की मांग कर रहे थे, ताकि उन्हें पढ़ाई और अस्पताल आने-जाने में सुविधा हो सके। इस नए हास्टल के बनने से उनका काफी समय बचेगा और वे अपनी पढ़ाई पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।

अस्पताल के विभिन्न विभागों में कार्यरत चिकित्सकों को जल्द ही उनके अपने कार्यालय आवंटित किए जाएंगे। इस निर्णय से डाक्टरों को मरीजों के रिकार्ड व्यवस्थित रखने, शोध कार्य करने और मरीजों से परामर्श के लिए एक बेहतर स्थान मिल सकेगा। प्रबंधन के अनुसार, कार्यालयों के आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में एमजीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. दिवाकर हांसदा, एमजीएम अधीक्षक डा. आरके मंधान, उपाधीक्षक डा. नकुल चौधरी, डा. जुझार माझी, सर्जरी विभागाध्यक्ष डा. एचआर खान और मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा. बलराम समेत कई अन्य वरिष्ठ चिकित्सक और अधिकारी उपस्थित थे।

थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन, भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे झारखंड के शाश्वत सिद्धार्थ

लोहरदगा, एजेंसी। जिला के शाश्वत सिद्धार्थ थाईलैंड में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। शाश्वत सिद्धार्थ ना सिर्फ वहां पर नवाचार समेत कई विषयों पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ अपनी राय साझा करेंगे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आदिवासियों के हितों और उनके विकास को लेकर भी चर्चा करेंगे।

21 और 22 अगस्त को यूनाइटेड नेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शाश्वत सिद्धार्थ ने इस सम्मेलन को लेकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुए आवेदन किया था। जिसके आधार पर उनका चयन किया गया है।

शाश्वत सिद्धार्थ शहर के नदिया मैना बगीचा निवासी हैं और लोहरदगा से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत के पुत्र हैं। शाश्वत सिद्धार्थ कहते हैं कि वह समावेशी विकास, शिक्षा और आदिवासी युवाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह समुदाय की आवाज को वैश्विक मंच तक पहुंचाने और भारत की आदिवासी संस्कृति की विविधता और समृद्धि को उजागर करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

अनुसूचित जनजाति समुदाय से आने वाले शाश्वत कहते हैं कि यह उनके लिए गर्व का विषय है। उन्हें लोहरदगा और अनुसूचित जनजाति समुदाय की आवाज अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का मौका मिल रहा है। हमारी संस्कृति, युवाओं के सपनों को दुनिया के सामने रखने का प्रयास करूंगा। जिससे हमारे समुदाय और हमारी धरती का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन हो।

अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन दुनिया भर के युवा नेताओं, नवाचार कर्ताओं और परिवर्तन कर्मियों को एक मंच पर लाता है। जहां वे वैश्विक चुनौतियों पर विचार विमर्श करते हैं और स्थानीय समाधानों को साझा करते हैं। वह इसमें समावेशी विकास, युवा नेतृत्व, शिक्षा और सतत आजीविका जैसे विषयों पर अपनी भागीदारी देंगे। शाश्वत सिद्धार्थ ने आगे कहा है कि इस मंच से लौटने के बाद, वह नए अवसर, साझेदारी और नए विचार लेकर आएंगे, जो हमारे समुदाय को लाभान्वित कर सके।

सैनिक स्कूल तिलैया में डिजिटल शिक्षा की नई पहल:70 लाख की लागत से 26 कक्षाओं में स्मार्ट इंटरैक्टिव पैनल लगा

कोडरमा, एजेंसी। सैनिक स्कूल तिलैया में रविवार को डिजिटल शिक्षा का नया दौर शुरू हुआ। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और कोडरमा विधायक अमित यादव ने संयुक्त रूप से स्मार्ट इंटरैक्टिव क्लास का उद्घाटन किया। इस पहल से छात्रों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पढ़ाई का नया अनुभव मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री की पहल पर केंद्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएसआर फंड से करीब 70 लाख रुपये की लागत से 26 कक्षाओं में स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल छात्रों की शिक्षा को और अधिक गुणवत्तापूर्ण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से की गई है। डिजिटल क्लासरूम से छात्रों को विषयों को समझने और सीखने की प्रक्रिया में सरलता होगी।

झारखंड का सैनिक स्कूल तिलैया राज्य का एकमात्र और देश का सबसे बड़ा सैनिक स्कूल माना जाता है। यहां छठी से बारहवीं तक की पढ़ाई होती है और छात्राओं को भी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। इस संस्थान से हर साल बड़ी संख्या में कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में चयनित होते हैं। स्कूल के सैकड़ों पूर्व छात्र भारतीय रक्षा सेवाओं और अन्य उच्च पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यही कारण है कि इस स्कूल को झारखंड ही नहीं, पूरे देश में विशेष पहचान प्राप्त है। कार्यक्रम के दौरान अन्नपूर्णा देवी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर सैनिकों को नमन किया। इसके बाद स्कूल के प्राचार्य कर्नल आर। मोहन राव ने उन्हें शॉल और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्मार्ट कक्षाओं से कैडेट न केवल तकनीकी रूप से दक्ष होंगे, बल्कि ऑनलाइन शिक्षा का भी लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि सैनिक स्कूल तिलैया के छात्रों को किसी भी सुविधा से वंचित नहीं रखा जाएगा।

गैंगस्टर डब्लू सिंह ने किया आत्मसमर्पण, संगठित आपराधिक गिरोह से झारखंड में सरेंडर करने वाला पहला सरगना!

पलामू, एजेंसी। कुख्यात आपराधिक गिरोह का सरगना गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह ने पलामू पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है. पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के समक्ष डब्लू सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है. गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह झारखंड में पहला ऐसा आपराधिक गिरोह का सरगना है जिसने पुलिस के सामने अपने हथियार डाल दिए हैं.

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि रविवार रात 10.30 में डब्लू सिंह मेदिनीनगर टाउन थाना पहुंचा था और उनके समक्ष आत्मसमर्पण किया है. आत्मसमर्पण में मेदिनीनगर के पूर्व थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार की बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार अभियान चला रही है, मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों के लिए कई योजना है. संगठित अपराध के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस की अपील है कि संगठित अपराध से नहीं जुड़े. वे मुख्यधारा में शामिल हो. न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत पुलिस सहयोग करेगी.

कुख्यात अपराधी डब्लू सिंह ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद कहा कि वह अब एक सामान्य जीवन जीना चाहता है. जो भी मुख्यधारा से भटक गए हैं वे अपराध का रास्ता छोड़ दें. डब्लू सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार और पुलिस की नीतियों से प्रभावित हुआ और उसने आत्मसमर्पण किया है.

डब्लू सिंह पर 40 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था. झारखंड पुलिस ने डब्लू सिंह पर पांच लाख रुपए का इनाम प्रस्तावित था. 2016 में पलामू कोर्ट ने डब्लू सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी. बाद में वह जमानत पर कोर्ट से बाहर निकला था. उसके बाद से वह फरार चल रहा था. डब्लू सिंह का आत्मसमर्पण पलामू पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है. डब्लू सिंह पलामू पुलिस के अधिकारियों के संपर्क में आया जिसके बाद उसने आत्मसमर्पण किया.

गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह मूल रूप से पलामू के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के फुलांग का रहने वाला है. 2006-07 से डब्लू सिंह अपराध की जगत में सक्रिय रहा है. डब्लू सिंह का नेटवर्क पलामू जिला के साथ साथ गढ़वा, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची और जमशेदपुर समेत कई इलाकों में फैला हुआ था. पलामू पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार डब्लू सिंह पर 37 मामले दर्ज हैं. जिनमें कई संगीन मामले भी शामिल हैं.

3 जून 2020 को पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में कुख्यात गैंगस्टर कुणाल सिंह की हत्या हुई थी. इस हत्याकांड का आरोप डब्लू सिंह गिरोह पर लगा था जिसके बाद से डब्लू सिंह लगातार फरार चल रहा था. डब्लू सिंह मुख्यधारा में शामिल होते हुए पलामू पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है.

हजारीबाग सीमा पर रॉक माइंस में लगा सरना झंडा हटा, 9 दिन बाद सरना समाज के लोगों ने खुद हटाया

गिरिडीह, एजेंसी। हजारीबाग सीमा पर अवस्थित पत्थर माइंस में सरना झंडा लगाने के ठीक 9 दिन बाद सरना समाज के लोगों ने उसे हटा दिया। दरअसल, हजारीबाग सीमा पर अवस्थित गिरिडीह जिले के कारीचट्टान में एक धार्मिक झंडे को लेकर 9 दिनों तक तनाव की स्थिति बनी रही। इस दौरान उसी समाज के लोगों के साथ साथ प्रशासन डटा रहा। लेकिन सोमवार देर रात झंडा को हटा लिया गया। जानकारी के लिए बता दें कि झंडा हटाने का काम भी उसी समाज के लोगों ने किया है।

दरअसल, कारीचट्टान में पत्थर की एक माइंस का संचालन शुरू हुआ था। इस माइंस का विरोध इसी कारीचट्टान के कुछ लोगों ने शुरू किया। कुछ लोग इसे अपनी जमीन बता रहे थे। जबकि माइंस के समर्थन में भी कई लोग उतर आए। इस बीच विश्व आदिवासी दिवस के दिन विरोध कर रहे लोगों ने माइंस के चारों तरफ सरना झंडा गाड़ दिया।

झंडा लगाने के बाद यहां तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सरना समाज के ही कई लोग झंडा लगाने का विरोध करने लगे। गांव में एक समाज के लोगों के बीच तनाव को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया। वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार गांव आते रहे तो पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। मामला धार्मिक झंडे से जुड़ा था ऐसे में प्रशासन धैर्य के साथ डटा रहा। सोमवार को भी स्थिति तनावपूर्ण हो गई। एक तरफ पांच टोले के लोग जुटे तो वही दूसरी तरफ झंडा लगाने वाले भी डटे रहे। सरना समाज के लोगों ने कहा कि धार्मिक झंडे का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए। यदि माइंस को लेकर आपत्ति है तो लोग अधिकारी के पास जाए। लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करें। कई घंटे तक पंचायत चलने के बाद आखिरकार सोमवार देर रात सरना समाज के लोगों ने ही झंडा हटा दिया।

सरना समाज के अध्यक्ष रामजी बेसरा का कहना है कि सरना झंडा उनकी आस्था का प्रतीक है। इस झंडे को जहां- तहां लगाने उचित नहीं है। झंडे के साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस विषय को लेकर पांच गांव - टोले के लोगों की बैठक हुई। जिन चार लोगों ने झंडा लगाया था उनसे भी बात हुई है। अंत में सरना समाज के लोगों ने निर्णय लिया कि झंडे को यहां से हटाकर पूरे विधि- विधान के साथ पवित्र स्थल पर स्थापित किया जाएगा। जिन्हें माइंस को लेकर आपत्ति है वे लोग सिस्टम से लड़े न कि पवित्र झंडे का दुरूपयोग करके। वही समाज के अध्यक्ष का कहा कि सरना समाज के लोगों ने ही झंडा हटवाया और माइंस शुरू करवाई।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन से टूटा उनका परिवार, पत्नी ने कहा- बताकर जाते तो जरूर लौट आते

रांची, एजेंसी। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन से उनका पूरा परिवार टूट गया है। पत्नी सूरजमनी सोरेन जीवनसाथी के साथ छोड़ जाने से काफी दुखी है। पति के निधन पर सूरजमनी सोरेन ने कहा कि वे जब कभी भी कहीं बाहर जाते थे, तो बताकर जाते थे और लौट आते थे। इस बार वे बिना बताये गये और लौट कर भी नहीं आये। घर पर आये रिश्तेदार और पड़ोसी शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

अपने पिता के निधन से दुखी रामदास सोरेन की पुत्री रेणु सोरेन ने कहा बाबा भले ही शिक्षा मंत्री हों, लेकिन मुझसे कभी पढ़ाई-लिखाई को लेकर कोई दबाव नहीं बनाया। हमेशा मेरे कार्यों को सराहा और समर्थन किया। वे चाहते थे कि हर किसी को अपनी इच्छा के अनुसार भविष्य को संवारने का मौका मिलना चाहिए। बाबा की एक बात बहुत अच्छी थी कि वे घर और बाहर दोनों में तालमेल बनाकर चलते थे। उससे प्रतिदिन सैकड़ों लोग मिलते थे। उनकी सबसे अच्छी बात यह थी कि वे बाहर की चीजों को घर के बाहर ही छोड़ देते थे। घर में एक अच्छे पिता बनकर हम सबसे मिलते थे। बाबा का असमय जाना परिवार के सभी सदस्यों के लिए काफी दुःखद और पीड़ादायक है।

रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन पिता का श्राद्ध कर्म संथाली रीति-रिवाज से पूरा कर रहे हैं। पुत्र सोमेश सोरेन ने कहा बाबा बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। इसी कारण समाज के लोग उन्हें काफी पसंद भी करते थे। उनका यूं जाना काफी पीड़ादायक है। बाबा ने जो राह दिखायी है उस पर चलने का प्रयास करूंगा। सोमेश ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन घोड़ाबांधा आवास पर मां सूरजमनी सोरेन और हम सब से मिलने जरूर आयेंगे।

पलामू में प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में प्रेम प्रसंग में उलझे विवाद ने ऐसा मोड़ लिया कि एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। सदर थाना क्षेत्र के जोगियाही रेल पटरी के पास 22 वर्षीय अमरेन्द्र सिंह उर्फ बब्लू सिंह का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने खुलासा किया कि युवक की हत्या उसकी प्रेमिका के परिवार के सदस्यों ने की थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक अमरेन्द्र सिंह और काजल कुमारी के बीच बीते पांच वर्षों से प्रेम संबंध थे। वर्ष 2022 में काजल की शादी हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद दोनों का मिलना-जुलना और बातचीत जारी रही। काजल का परिवार इस रिश्ते का लगातार विरोध करता रहा। परिवार की आपत्ति के बावजूद दोनों चोरी-छिपे मुलाकात करते थे, जिससे परिजनों में गुस्सा बढ़ता जा रहा था। जानकारी के अनुसार, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन अमरेन्द्र और काजल की मुलाकात एक स्कूल में हुई थी। उसी रात अमरेन्द्र अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर जा पहुंचा। घर वालों ने मौके पर ही उसे पकड़ लिया और कमरे में बंद कर दिया। गुस्से में आकर परिवार के सदस्यों ने रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद सबूत छुपाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया। ट्रेन की चपेट में आने से शव दो हिस्सों में बंट गया, जिससे पुलिस को शुरू में हादसे का शक हुआ।

मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए काजल के पिता योगेन्द्र यादव, भाई राकेश यादव, मां कलावती देवी और दादा बृक्ष यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में इस्तेमाल रस्सी, गमछा, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

48वीं सीनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता का समापन, झारखंड महिला टीम बनी उपविजेता

रांची, एजेंसी। रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में आयोजित 48वीं सीनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता का सोमवार को भव्य समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से आई 25 राज्यों की महिला और पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया और रोमांचक मुकाबलों में अपना कौशल दिखाया। पुरुष वर्ग में हरियाणा की टीम ने खिताब अपने नाम किया। उसने फाइनल में छत्तीसगढ़ को हराया। तीसरे स्थान पर मुंबई और कर्नाटक की टीमें रहीं। महिला वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम विजेता बनीं। जबकि झारखंड की टीम को उपविजेता का स्थान मिला। महिला वर्ग का कांस्य पदक मुंबई और कर्नाटक ने साझा किया। वहीं, झारखंड की महिला टीम ने टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। सेमीफाइनल तक अपराजित रहते हुए टीम ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन निर्णायक मुकाबले में छत्तीसगढ़ से हार गई। इसके बावजूद उपविजेता बनकर झारखंड की महिला खिलाड़ियों ने पूरे राज्य का मान बढ़ाया।

समापन समारोह में खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी से नवाजा गया। पुरुष वर्ग में हरियाणा के सोनू को प्लेयर

ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। जबकि महिला वर्ग में यह सम्मान छत्तीसगढ़ की आकांक्षा को मिला। झारखंड की प्रमिला सोरेन को महिला वर्ग की इमर्जिंग प्लेयर और पुडुचेरी के एम। संतोष को पुरुष वर्ग का इमर्जिंग प्लेयर घोषित किया गया। अरुणाचल प्रदेश को बेस्ट अनुशासित टीम, झारखंड को बेस्ट ड्रेसअप और पश्चिम बंगाल को बेस्ट मार्च पास्ट का पुरस्कार दिया गया।

समापन समारोह में खिजरी विधायक राजेश कच्छप मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। विशिष्ट अतिथियों में जेएलकेएम पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, अखिल भारतीय थ्रो बॉल संघ के अध्यक्ष रमन साहनी, राज्य थ्रोबॉल संघ अध्यक्ष डॉ। राजेश गुप्ता, आयोजन अध्यक्ष वेदांत कौस्तव, उपाध्यक्ष विजेता वर्मा और आयोजन सचिव जमील अंसारी शामिल थे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि खेल समाज को अनुशासन और एकता का संदेश देते हैं। झारखंड की महिला टीम का उपविजेता बनना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। प्रतियोगिता के सफल संचालन में झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों की अहम भूमिका रही। तीन दिनों तक चले इस खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों का जोश देखते ही बन रहा था। प्रतियोगिता का समापन उत्साह और उमंग के बीच हुआ।

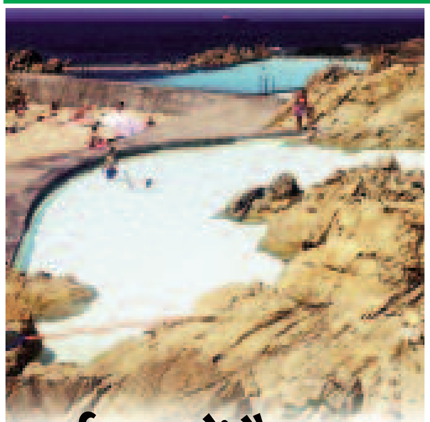

पुर्तगाल में है समुद्र की लहरों से भरने वाला नैसर्गिक पूल

पुर्तगाल के शहर पोतों में पाल्मेरिया समुद्री तट पर बना यह स्विमिंग पूल दुनिया के अन्य पूल से अनोखा और बिल्कुल भिन्न है। समुद्र में आने वाले टाइड के बाद यह पूल भर जाता है और फिर लोग इसका लुत्फ उठाते हैं। पुर्तगाल के वास्तुविद अल्वारो सिजा ने 1959 से 1973 के बीच यह पूल तैयार किया था। दरअसल तस्वीर में दो पूल दिख रहे हैं, बड़ा पूल वयस्कों के लिए है, तो एक छोटा पूल बच्चों के लिए भी है। यह पूल पुर्तगाल के नेशनल लैंडमार्क के रूप भी देखे जाते हैं।

गुजरात के वो गांव जहां दूल्हा अपनी ही शादी में नहीं जाता

भारत के घरों में अगर लड़के की शादी है तो दूल्हे से ज़्यादा तो उसके घरवाले उत्सुक होते हैं. दूल्हे की बारात लेकर जाने का मतलब है कि वो कही के तुर्रमखान हैं और लड़की वालों को उनके कहे अनुसार ही चलना पड़ेगा. घरवाले बारात के लिए गाजे-बाजे, कपड़े, घोड़ी, गाड़ी और न जाने क्या-क्या तैयारियां करते हैं इतना ही नहीं हर चीज़ बेस्ट से बेस्ट होनी चाहिए फिर बड़े ही शान-ओ-शौक़त से दूल्हा अपनी दुल्हन को ब्याहने निकलता है. बारात में डांस होता है मस्ती होती है. मगर गुजरात के कुछ गांव में इसके बिल्कुल विपरीत होता है यहां दूल्हा अपनी ही शादी में नहीं जाता है.
अब आप सोच रहे होंगे अगर दूल्हा नहीं जाता है तो शादी कैसे होती है? और इतना अजीबो-ग़रीब रीति-रिवाज़ आख़िर मनाया ही क्यों जाता है?
ऐसा गुजरात के 3 आदिवासी गांवों में होता है रिपोर्ट्स के अनुसार सुरखेड़ा, सानदा और अंबल गांवों के ग्राम देवता कुंवारे हैं. इसलिए दूल्हा अपनी शादी में न जाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करता है. कहते हैं कि, जो दूल्हे अपनी बारात में नहीं जाते वो सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करते हैं. दूल्हे की जगह अपनी भाभी को लेने दूल्हे की बहन जाती है और उसे सिंदूर भरकर लेकर आती है दूल्हा घर पर ही शेरवानी-साफ़ा पहनकर अपनी मां के साथ दुल्हन का घर पर ही इंतज़ार करता है. अगर दूल्हे की बहन नहीं होती है तो परिवार की कोई भी कुंवारी लड़की इस रीति-रिवाज़ को पूरा करती है. सिंदूर भरने के अलावा, शादी के पवित्र फेरों के भी बहन के द्वारा ही पूरा किया जाता है. स्थानीय लोगों का मानना है कि, जब-जब इस परंपरा को नहीं निभाया गया है तब-तब गांव और लोगों के साथ बुरा ही हुआ है जैसे, शादी का टूटना या फिर वैवाहिक जीवन में ख़ुशियां न होना.

भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन सिंहाबाद जहां से नहीं गुजरती एक भी ट्रेन

एक जगह से दूसरी जगह जाना हो और दूरी ज़्यादा हो तो आप लोग ट्रेन या हवाई जहाज़ का रास्ता चुनते हैं. मगर ज़्यादातर लोग ट्रेन का क्योंकि ट्रेन हर किसी के बजट में फ़िट बैठती है. इस लिहाज़ से तो अभी तक आप सब न जाने कितने रेलवे स्टेशन घूम चुके होंगे. ट्रेन से यात्रा के दौरान कभी दिमाग में आया कि आखिर कहीं कोई रेलवे स्टेशन होगा, जिसे आखिरी कहा जा सके, जैसे दुनिया का भी आखिरी छोर है तो क्या रेलवे स्टेशन भी आखिरी होगा.

आपके मन का सवाल जायज़ है और भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन भी है, जिसमें से एक तो बिहार के अररिया ज़िले में एक जगह है जोगबनी, जिसे भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन माना जाता है. यहां से नेपाल पैदल जाया जा सकता है. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में स्थित सिंहाबाद रेलवे स्टेशन को भी भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन माना जाता है. यहां पर हर चीज अंग्रेजों के जमाने की है. भारत का ये आखिरी रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के मालदा ज़िले के हबीबपुर इलाक़े में स्थित है. इस स्टेशन को अंग्रेज़ों ने जैसा छोड़ा था ये आज भी वैसा ही है, इसमें कोई बदलाव नहीं किए गए हैं. ये बारत का आखिरी सीमांत स्टेशन है, जो बांग्लादेश की सीमा के काफी पास है. बांग्लादेश के पास होने के चलते यहां से पैदल भी जाया जा सकता है. भारत का बंटवारा होने के बाद इस स्टेशन के मेंटीनेंस का सारा काम जस का तस रोक दिया गया था. इसलिए यहां से कोई गाड़ी भी नहीं गुजरती थी, लेकिन 1978 में जब मालगाड़ियां चलना शुरू हुईं तो दोबारा से ट्रेन और हार्न की आवाज़ें आने लगीं. ये गाड़ियां पहले बांग्लादेश तक ही जाती थीं, लेकिन 2011 में पड़ोसी देश नेपाल तक भी जाने लगी. भले ही यहां से गाड़ियों का आवागमन शुरू हुआ हो, लेकिन इस स्टेशन के रूप-रंग में कोई सुधार नहीं हुआ है. ये आज भी वैसा ही है जैसा ब्रिटिशों के जमाने में था. इस स्टेशन का इस्तेमाल कोलकाता और ढाका के बीच ट्रेन कनेक्टिविटी के लिए किया जाता था. हालांकि, ये स्टेशन आज़ादी से पहले का है, इसलिए ढाका जाने के लिए महात्मा गांधी और सुभाष चंद बोस ने भी कई बार इस रास्ते का इस्तेमाल किया था. कभी यहां से दार्जिलिंग मेल जैसी ट्रेनें भी गुजरती थीं, लेकिन अब यहां से सिर्फ मालगाड़ियां ही गुज़रती हैं. बता दें, इस स्टेशन पर आज भी पुराने ज़माने के हाथ के गियर वाले सिग्नल का इस्तेमाल होता है. साथ ही, यहां पर कोई ज़्यादा रेलवे कर्मचारी नहीं रखे जाते हैं. इतना ही नहीं, टिकट काउंटर तक बंद हो चुका है. ज़्यादा कर्मचारी इसलिए नहीं है क्योंकि जब मालगाड़ी आती है बस तभी सिग्नल देना होता है, जो रोहनपुर के रास्ते से बांग्लादेश जाती है.

आज भी नहीं बदला ये स्टेशन

इस रेलवे स्टेशन की सबसे खास बात यह है कि आज भी यहां कुछ नहीं बदला है, यहां सबकुछ वैसे का वैसा है, जैसा कभी अंग्रेज छोड़कर इसे गए थे। चाहे वो यहां की सिग्रल हो या संचार या फिर कोई और उपकरण। भारत का ये एक ऐसा रेलवे स्टेशन है, जहां अब भी कार्डबोड के टिकट रखे हुए हैं, जो शायद ही अब आपको कहीं देखने को मिले। इतना ही नहीं, ट्रेन को सिग्नल देने के लिए आज भी हाथ के गियरों का इस्तेमाल किया जाता है। सबसे ज्यादा खास बात है यहां का टेलीफोन, जो बाबा आदम के जमाने का है, जैसा कि आप पुरानी फिल्मों में देखते आए हैं।

गांधी और बोस भी यहां से गुजर चुके हैं

यह स्टेशन आजादी के भी काफी पहले का है तो उस समय ये स्टेशन कोलकाता से ढाका तक जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस रूट से कई बार महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस ढाका जा चुके हैं।
काफी समय पहले यहां से दार्जिलिंग मेल जैसी ट्रेनें भी गुजरा करती थीं, लेकिन अब सिर्फ यहां से मालगाडियां ही गुजरती हैं।

इस स्टेशन से सिर्फ दो ही पैसेंजर ट्रेन गुजरती हैं लेकिन रुकती नहीं

इस स्टेशन पर अब कोई पैसेंजर ट्रेन नहीं रुकती, जिसके चलते यहां का टिकट काउंटर बंद कर दिया गया है। लेकिन यहां केवल वही मालगाड़ी ही रूकती हैं, जिन्हें रोहनपुर के रास्ते बांग्लादेश जाना होता है। यहां रूककर ये गाडियां सिग्नल का इंतजार करती हैं। इस छोटे से स्टेशन सिर्फ दो ट्रेनें- मैत्री एक्सप्रेस और मैत्री एक्सप्रेस-1, गुजरती है। इसमें से मैत्री एक्सप्रेस साल 2008 में शुरू की गई थी, जो कोलकाता से ढाका के लिए चलती है और 375 किमी. का सफर तय करती है। वहीं, दूसरी ट्रेन मैत्री एक्सप्रेस-1 कोलकाता से बांग्लादेश के एक शहर खुलना तक जाती है। अगर यहां के लोगों की बात की जाए तो ये आज भी इस इंतजार में बैठे है कि कभी तो वो समय आएगा, जब उस स्टेशन पर ट्रेन रुकेगी और उन्हें इन ट्रेनों में चढ़ने का मौका मिलेगा।

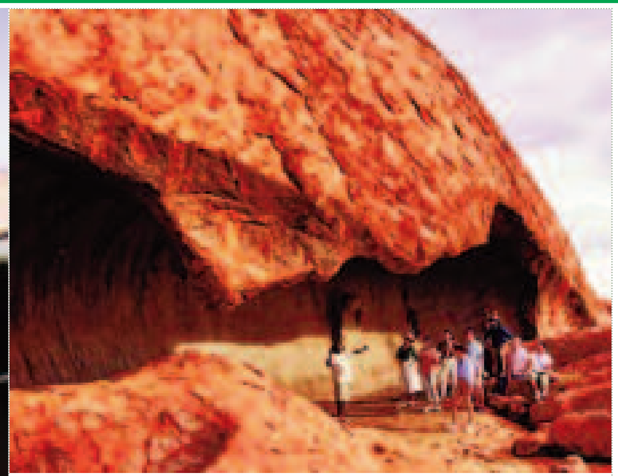

दुनिया की रहस्यमयी जगहें, कहीं जाने पर है रोक, तो कहीं रात में आती हैं आवाजें

दुनिया में कई रहस्यमयी और अनोखी जगहे हैं। इन जगहों के बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल होता है। वैज्ञानिक भी कई रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठा पाए हैं। कई रहस्यमयी जगहों पर जाने पर रोक है। इन जगहों में कई एलियंस, भूतों और दूसरी वजहों से रहस्यमयी हैं। आज हम आपको कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

उलुरु, ऑस्ट्रेलिया

उलुरु (एयर्स रॉक) ऑस्ट्रेलिया आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। बलुआ पत्थर की एक चट्टान है, जो कछुए के ऊपरी खोल की तरह नजर आती है। बताया जाता है कि यहां पर आदिवासी रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पहाड़ी का दिन में कई बार रंग बदलता रहता है। दुनिया की इकलौती पहाड़ी है, जिसका का रंग बदलता रहता है। माना जाता है कि यह पहाड़ी 50 हजार साल पुरानी है। ऐसा क्यों होता है, इस रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है।

कलावंती दुर्ग, महाराष्ट्र

कलावंती दुर्ग को रहस्यमयी माना जाता है। प्रदेश के माथेरान और पनवेल के बीच यह दुर्ग स्थित है, जो बेहद डरावना है। इस दुर्ग की कई कहानियां हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस किले में नकारात्मकता का वास है, जिससे लोग यहां पर खींचे चले जाते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। सबसे डरावनी बात यह है कि इस खंडहर में आधी रात के बाद चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं।

रहस्यमयी शहर धनुषकोटि

भगवान राम ने रावण का वध करने और लंका पर विजय के बाद राज्य को विभीषण को सौंप दिया था। रावण के छोट भाई और लंका पर राज कर रहे विभीषण ने भगवान राम से निवेदन किया कि लंका तक आने वाले रामसेतु को तोड़ दीजिए। इसके बाद भगवान राम ने अपनी धनुष के एक छोर से सेतु को तोड़ दिया। इसके बाद से यह स्थान धनुषकोटि के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यह रहस्यमयी शहर तमिलनाडु के पूर्वी तट पर स्थित है। भगवान राम का धनुषकोटि से गहरा नाता है, तो वहीं यहां पर प्रेत आत्माओं के महसूस किए जाने का दावा किया जाता है। इसके पीछे की वजह साल 1964 में यहां पर आए भीषण चक्रवात को माना जाता है। तूफान के बाद यहां पर आने वाले लोगों ने महसूस किया कि यहां पर कुछ असामान्य है। लोगों के इन अनुभवों के बाद तमिलनाडु सरकार ने इस छोटे शहर को भूतिया शहर की सूची में डाल दिया और इसे रहने के लिए अयोग्य करार दे दिया। सरकार ने चेतावनी भी दी कि यहां पर दिन ढलने के बाद कोई नहीं जाए।

चीन का वाक्शी गांव, जहां हर एक शख्स है करोड़ों की संपत्ति का मालिक

जब हम किसी गांव की बात करते हैं, तो दिमाग़ में सबसे पहले खपड़ैल के बने कच्चे घर, कच्ची सड़कें, कच्चे मकान, चारों तरफ़ गाय और गोबर, तालाब, खेत, किसान और खेतों में खेलते बच्चे आते हैं. मगर चीन में एक ऐसा गांव है, जहां गांव जैसा कुछ नहीं है. इस गांव ने शहरों को पीछे छोड़ दिया है. यहां लोग लाखों कमाते हैं और इस गांव को दुनिया के सबसे अमीर गांव में शुमार किया जाता है. ये गांव चीन के जिआंगसू राज्य में स्थित वाक्शी गांव है, जिसे चीन का सबसे अमीर गांव माना जाता है. यहां के स्थानीय लोगों की लाइफ़स्टाइल शहरों में रहने वाले बड़े-बड़े रईसों के जैसी है या कहें कि उनसे भी ज़्यादा बेहतर है.

लग्ज़री सुविधाओं से भरपूर

चीन के इस अमीर गांव की सुविधाएं देखकर आप शहरों को भूल जाएंगे. इस गांव में 72 मंज़िला स्काईस्कैपर, हेलीकॉप्टर टेक्सिस, थीम पार्क और लग्ज़री विला हैं. इसके चलते इसे सुपर विलेज भी कहते हैं.

हर शख्स के बैंक में 1 करोड़ से ज़्यादा जमा है

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस गांव में 2,000 रजिस्टर्ड निवासी रहते हैं, जिनमें हर एक के पास 1 करोड़ 10 लाख रुपये से ज़्यादा है. यहां पर हर शख्स विला में रहता है, जो एक से ही बने हैं और लग्ज़री कारों से चलते हैं.

स्थानीय सचिव वू रेनाबो की मेहनत

कम्युनिस्ट पार्टी के स्थानीय सचिव वू रेनाबो ने इस गांव को यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की है. यहां पर स्टील और शिपिंग बड़ी कंपनियां हैं. तो वहीं, सड़कें लोगों को आकर्षित करती हैं. पहले ये गांव इतना अमीर नहीं था, लेकिन सचिव जी की लगन ने इसे इस मकाम पर पहुंचा दिया है.

कृषि प्रधान गांव है

ये गांव एक कृषि प्रधान गांव है, जिसे किसानों के एक प्रतिभाशाली आइडिया ने दुनिया के अमीर गांवों में शामिल कर दिया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये गांव 60 के दशक में बसा था और तभी से सभी लोग सामूहिक खेती करने लगे थे. 21वीं सदी की शुरुआत तक यहां 100 से अधिक कंपनियां हो गईं, जिनमें लोहा, इस्पात और तंबाकू कंपनियां शामिल हैं.

मुकेश की रिलायंस ने अब यहां भी रख दिए हैं कदम

सौदे के साथ मचा दी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) ने नेचरएज बेवरेजेज के साथ समझौता किया है। इस समझौते में आरसीपीएल ने नेचरएज बेवरेजेज के साथ ज्वाइंट वेंचर (जेवी) में ज्यादातर हिस्सेदारी खरीद ली है। इस सौदे के साथ आरसीपीएल अब हेल्थ ड्रिंक्स के बाजार में उतर गई है। ये हेल्थ ड्रिंक्स एनर्जी बढ़ाने, ध्यान लगाने और पाचन को ठीक करने में मदद करते हैं। इस सेक्टर में आरसीपीएल की एंट्री के साथ ही हलचल मच गई है।

आरसीपीएल का टारगेट इस जेवी के जरिये उपभोक्ताओं को हर्बल और प्राकृतिक पेय पदार्थों की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराना है। कंपनी का मानना है कि स्वस्थ पेय पदार्थों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। लोग अब स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक होने के साथ प्राकृतिक विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। आरसीपीएल ने अभी यह नहीं बताया है कि यह सौदा कितने में हुआ है। लेकिन, कंपनी ने यह जरूर कहा है कि नेचरएज बेवरेजेज जड़ी-बूटियों से बने हेल्थ ड्रिंक्स बनाती है। इससे आरसीपीएल को पेय पदार्थों के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी। आजकल पेय पदार्थों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। आरसीपीएल के पास पहले से ही कई ब्रांड हैं। इनमें कैंपा, सोसियो सॉफ्ट ड्रिंक्स, स्पोर्ट्स ब्रांड स्पिनर और रास्किक शामिल हैं। अब नेचरएज बेवरेजेज के साथ आने से कंपनी और भी मजबूत हो जाएगी।

उभरते बाजार की श्रेणी से निकलकर वैश्विक शक्ति बना भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल ने हाल ही में मजबूत आर्थिक विकास और बेहतर वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को बढ़ाकर बीबीबी कर दी है। यह प्रगति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के दीर्घकालिक तुलनात्मक विश्लेषण के बाद की गई है। 1975 से वैश्विक आर्थिक रैंकिंग में भारत की निरंतर वृद्धि दिखी है। इस दौरान अमेरिका, चीन, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी सहित प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं के साथ तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण

बदलाव दिखे हैं। 1975 में भारत की कुल जीडीपी करीब 98 अरब डॉलर थी, इसके 2025 में बढ़कर 4527 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने बीते कई वर्षों में कई बड़े उतार-चढ़ाव देखे हैं। फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था की गिनती दुनिया के शीर्ष चार अर्थव्यवस्थाओं में होती है। भारत से अधिक जीडीपी केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी की है। आईएमएफ के आंकड़ों के अनुसार भारत की जीडीपी 2030 तक 6670 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है और भारत जीडीपी के मामले जर्मनी से आगे निकलकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

देखते रह गए ट्रंप, चीन ने खोल दिए भारत के लिए दरवाजे

अब नहीं होगी इन 3 चीजों की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से दुनियाभर में टैरिफ लगाना शुरू किया है, भारत और चीन के बीच नजदीकियां बढ़ती दिखाई दे रही हैं। कुछ समय पहले चीन ने 3 खास चीजों के एक्सपोर्ट पर रोक लगाई थी। ये 3 खास चीजें हैं फर्टिलाइजर, रेयर अर्थ मैग्नेट या रेयर अर्थ मिनरल्स और टनल बोरिंग मशीन हैं। यह रोक भारत पर भी थी। ऐसे में माना जा रहा था कि भारत शायद इन चीजों के लिए अमेरिका पर निर्भर हो। लेकिन अब चीन ने अमेरिका को झटका देते हुए इन चीजों पर लगी रोक हटा दी है। यानी चीन अब इन 3 चीजों को भारत को एक्सपोर्ट कर पाएगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी। तब भारत ने चीन से ये तीन चीजें मांगी थीं। वांग यी इस समय दो दिन की भारत यात्रा पर हैं।

भारत के लिए कितनी जरूरी ये चीजें

भारत ने चीन को अपनी चिंताएं बताई थीं। चीन ने अचानक उर्वरकों पर रोक लगा दी थी। इससे रबी सीजन में डीएपी की उपलब्धता पर असर पड़ा था। इसी तरह, चीन ने टनल बोरिंग मशीनों के शिपमेंट को भी रोक दिया था। ये मशीनें भारत में बन रही महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए थीं। कुछ मशीनें तो विदेशी कंपनियों की थीं, जो चीन में बनी थीं। ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों ने भी चिंता जताई थी। चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट और मिनरल्स पर रोक लगा दी थी। इससे इनकी कमी हो गई थी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल और दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के प्रोडक्शन पर बुरा असर पड़ रहा था। चीन ने इनके निर्यात की रोक सुरक्षा कारणों से लगाई थी।

दूर हुए मतभेद

वांग यी और जयशंकर पिछले महीने दो बार मिले थे। उन्होंने सीमा पर सैनिकों के पीछे हटने के बाद राजनीतिक मतभेदों को दूर किया। दोनों देशों ने धीरे-धीरे संबंधों को सामान्य करने पर सहमति जताई। पहले विश्वास बहाली के उपाय किए जाएंगे, फिर आर्थिक प्रतिबंधों को कम किया जाएगा।

चीन पर नरमी दिखा रहा अमेरिका

यह खबर ऐसे समय में आई है जब अमेरिका भारत पर सख्त हो रहा है। अमेरिका के बड़े अधिकारी लगातार रूस के साथ भारत के संबंधों पर सवाल उठा रहे हैं।

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को पूरा करेगा चीन

मोदी सरकार की गाड़ियों पर जीएसटी घटाने वाले एलान के बाद से ऑटो कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार (19 अगस्त) को भारतीय ऑटो शेयरों में बढ़त जारी रही। ओला इलेक्ट्रिक, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, हुंडई मोटर, आयशर मोटर्स और मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में 1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जो सोमवार को लगभग 5 प्रतिशत की बढ़त के बाद और भी मजबूत हुआ, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि सरकार गाड़ियों की डिमांड को बढ़ाने के लिए व्हीकल पर टैक्स में कटौती कर सकती है। ऑटो कंपनियों के शेयरों में आई इस तेजी को नई दिल्ली से मिले नए संकेतों से भी समर्थन मिला। चीन के विदेश मंत्री ने आश्वासन दिया है कि बीजिंग नई दिल्ली द्वारा उठाई गई प्रमुख चिंताओं का समाधान करेगा। इसमें रेयर अर्थ मैग्नेट की सप्लाई, जो वाहन निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण रॉ मटेरियल और सुरंग खोदने वाली मशीनें शामिल हैं। बता दें कि चीन के विदेश मंत्री इस समय बैठकों के लिए भारत में हैं। ऑटो निर्माताओं के लिए रेयर अर्थ का मुद्दा विशेष रूप से गंभीर रहा है। ग्लोबल प्रोडक्शन और सप्लाई में चीन का लगभग 90 प्रतिशत योगदान है। इसकी कमी ने पहले ही उत्पादन को बाधित कर दिया है। बजाज ऑटो ने जुलाई में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के उत्पादन में 50 प्रतिशत तक की कटौती की, और चेतावनी दी कि अगस्त और सितंबर में भी उत्पादन सीमित रहेगा। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टाटा मोटर्स ने भी रेयर अर्थ मैग्नेट को संभावित रुकावट बताया है। हालांकि, कंपनी का प्रोडक्शन अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी भविष्य के संचालन को सुरक्षित करने के लिए ऑल्टरनेट सप्लाई ऑप्शन पर काम कर रही है। अगर बीजिंग के आश्वासनों पर अमल होता है, तो वाहन निर्माताओं को सप्लाई संबंधी व्यवधानों से राहत मिल सकती है, जिससे प्रोडक्शन शेड्यूल पर भी असर पड़ा है। जबकि संभावित टैक्स कटौती की चर्चा से घरेलू डिमांड की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

सीतारमण 20 अगस्त को मंत्री समूह की बैठक में शामिल होंगी

अगली पीढ़ी के सुधारों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 20 अगस्त को राज्य मंत्रिस्तरीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेंगी। इस बैठक के दौरान में जीएसटी में व्यापक सुधार के लिए केंद्र का प्रस्ताव रखा जाएगा। जिससे कर की दरों में कटौती होगी और आम उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में नरमी आएगी। सूत्रों के अनुसार जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर मंत्रिसमूह (जीओएम) की दो दिवसीय बैठक 20-21 अगस्त को नई दिल्ली में होगी।

बैठक में जीएसटी सुधारों के लिए केंद्र के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके तहत तहत वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) में कर स्लैब की संख्या घटाकर दो- 5 और 18 प्रतिशत- कर दी जाएगी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं के 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा जाएगा।

जीएसटी में सुधार पर सरकार का विजन जीओएम से साझा करेंगी वित्त मंत्री- सूत्रों ने बताया कि दरों को युक्तिसंगत बनाने संबंधी समिति के अलावा दो दिवसीय बैठक में क्षतिपूर्ति उपकर व स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर गठित मंत्रिसमूह के सदस्य भी शामिल होंगे। एक सूत्र के अनुसार, जीएसटी 2.0 का मकसद जीएसटी सुधार के पीछे के केंद्र के दृष्टिकोण को सामने रखना है। हालांकि केंद्र जीओएम का सदस्य नहीं है, लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री की उपस्थिति और उनके संबोधन से जीओएम को केंद्र के प्रस्ताव के पीछे के विचार और विचार प्रक्रिया की बेहतर समझ मिलेगी। केंद्र की ओर से प्रस्तावित जीएसटी सुधार ऐसे समय में आ रहे हैं जब जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की अवधि समाप्त होने वाली है और विभिन्न क्षेत्रों के लिए दरों को युक्तिसंगत

बनाने की योजना चल रही है। इसके अलावा, आम आदमी को राहत देने के लिए एक मंत्री समूह स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम की दरों दरों में बदलाव पर विचार कर रहा है। जीएसटी परिषद ने इससे पहले तीन मुद्दों पर तीन अलग-अलग मंत्री समूह गठित किए थे।

केंद्र ने 5 और 18 प्रतिशत की दो स्लैब संरचना का दिया प्रस्ताव- बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दरों को युक्तिसंगत बनाने तथा स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर गठित मंत्री समूह के संयोजक हैं, जबकि वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी क्षतिपूर्ति उपकर पर गठित मंत्री समूह के संयोजक हैं। केंद्र ने 5 और 18 प्रतिशत की दो स्लैब संरचना का प्रस्ताव दिया है, जिसमें वस्तुओं को योग्यता और मानक श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है और वर्गीकरण में अपनाया गया व्यापक सिद्धांत मध्यम वर्ग, एमएसएमई और कृषि क्षेत्र के लिए कर का बोझ कम करना है।

12 प्रतिशत स्लैब में शामिल 99 प्रतिशत वस्तुओं को 5 प्रतिशत में लाने की तैयारी

केंद्र के प्रस्ताव में वर्तमान 12 प्रतिशत स्लैब में शामिल 99 प्रतिशत वस्तुओं को 5 प्रतिशत में तथा 28 प्रतिशत स्लैब में शामिल 90 प्रतिशत वस्तुओं और सेवाओं को 18 प्रतिशत स्लैब में शामिल करने का प्रावधान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में जीएसटी सुधारों को लागू करके नागरिकों को दिवाली का उपहार देने का वादा किया था। उन्होंने कहा था कि इससे कर की दरें कम होंगी और आम आदमी को लाभ होगा। पीएम की ओर से जीएसटी में सुधार की घोषणा के तुरंत बाद, वित्त मंत्रालय ने अपनी अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार की बात कही। यह सुधार तीन स्तंभों - संरचनात्मक सुधार, दर युक्तिकरण और अनुपालन में आसानी- पर आधारित है।

कच्चे कपास पर आयात शुल्क 42 दिन के लिए हटा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार, 18 अगस्त को जारी अधिसूचना में 30 सितंबर तक कपास आयात पर सीमा शुल्क में अस्थायी छूट की घोषणा की। केंद्र सरकार ने कच्चे कपास पर लगने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क (ड्यूटी) अगले 42 दिनों के लिए हटा दिया है। यह छूट 30 सितंबर तक रहेगी। यह फैसला टेक्सटाइल उद्योग को राहत देने के लिए लिया गया है, जो बढ़ती कच्चे माल की कीमतों और अमेरिका से आने वाले नए टैरिफ चुनौतियों से जूझ रहा है। इस खबर के बाद पेज इंडस्ट्रीज, अरविंद लिमिटेड जैसी कंपनियों के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। अरविंद के शेयर करीब ढाई पर्सेंट उछलकर 300 के पार पहुंच गए हैं। पेज इंडस्ट्रीज भी 275 रुपये बढ़कर 44965 रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, वेदांत फैशन्स और केपीआर मिल लाल निशान पर थे।

क्यों लिया गया ये फैसला- सरकार ने सोमवार देर शाम जारी एक अधिसूचना में कहा कि यह छूट जरूरी कदम है और जनहित में ली गई है। इससे पूरे टेक्सटाइल सेक्टर जैसे सूत, कपड़ा, परिधान (गारमेंट्स) और होम टेक्सटाइल बनाने वालों को महंगाई के दबाव से राहत मिलेगी। खासकर अब जब त्योहारी सीजन नजदीक है और निर्यात को गति देने की जरूरत है।

अमेरिकी बाजार में दिक्कतें भी एक वजह- एनडीटीवी प्रॉफिट के मुताबिक यह फैसला ऐसे वक्त आया है जब भारतीय निर्यातकों को अपने अहम अमेरिकी बाजार में टैरिफ की नई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर की विदेश में शॉपिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने सोमवार को घोषणा की कि उसकी सहयोगी कंपनी, रिलायंस एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ने भूटान में एक नई संयुक्त कंपनी बनाई है। इस कंपनी का नाम है जीडीएल, रिलायंस सोलर प्राइवेट लिमिटेड। यह कंपनी 24 जुलाई, 2025 को भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी (एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र) में स्थापित हुई है। बता दें 4 साल में रिलायंस पावर के शेयर 5 रुपये से बढ़कर 70 रुपये तक गया, वहीं, अब फिर से ये 40 रुपये के आसपास है। सोमवार को यह स्टॉक 0.12 पर्सेंट की गिरावट के साथ 43.25 रुपये पर बंद

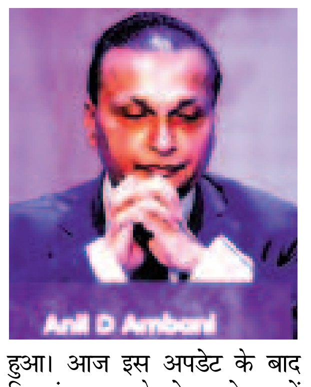

हुआ। आज इस अपडेट के बाद रिलायंस पावर के शेयर फोकस में रहेंगे। पिछले एक साल में रिलायंस पावर ने करीब 32 पर्सेंट का रिटर्न दिया है।

साझेदारी का स्वरूप- यह ज्वाइंट वेंचर भूटान सरकार की सरकारी कंपनी ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस एंटरप्राइजेज के बीच 50:50 की भागीदारी पर आधारित है। यह कंपनी रिन्यूएबल और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में काम करेगी, हालांकि अभी इसने व्यापारिक गतिविधियां शुरू नहीं की हैं।

निवेश और स्वामित्व- आरईपीएल ने इस कंपनी में नकद भुगतान करके 2,25,000 शेयर (प्रत्येक 100 डॉलर मूल्य का) खरीदे हैं, जो जीआरएसपीएल में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इस तरह, रिलायंस पावर की आरईपीएलके माध्यम से जीआरएसपीएल में अप्रत्यक्ष रूप से 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

छोटे शहर में देखा बड़ा सपना

खड़ा कर दिया 100 करोड़ के टर्नओवर वाला ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रशांत वशिष्ठ की गिनती आज सफल उद्यमियों में होती है। उनकी कहानी इस बात का सबूत है कि छोटे शहर का साधारण व्यक्ति भी बड़े सपने देखकर उन्हें पूरा कर सकता है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में छोटे से कस्बे अनूपशहर में पले-बढ़े प्रशांत ने 2021 में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड सोकुडो इलेक्ट्रिक की स्थापना की। आज उनकी कंपनी का सालाना कारोबार करीब 100 करोड़ रुपये का है। उनकी यह कामयाबी कोरोना महामारी के दौरान आए एक आइडिया से शुरू हुई। इसने उन्हें भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में मौजूद कमियों को दूर करने की प्रेरणा दी। आइए, यहां प्रशांत वशिष्ठ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

लॉकडाउन के दौरान आया आइडिया - प्रशांत का जन्म और पालन-पोषण बुलंदशहर जिले के अनूपशहर नाम के छोटे से कस्बे में हुआ। यह दिल्ली से 100 किमी दूर है। उन्होंने 1991 में एलडीएवी इंटर कॉलेज से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। 1994 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से बीएससी (फिजिक्स ऑनर्स) पूरा किया। मार्च 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान जब सड़कों पर गाड़ियां बंद हो गईं तो हवा साफ हो गई। इस बदलाव ने प्रशांत वशिष्ठ को गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया। दो-पहिया वाहनों के शौकीन होने के नाते उन्होंने नवंबर 2019 से ही पर्यावरण-अनुकूल वाहनों पर शोध शुरू कर दिया था। लॉकडाउन ने उन्हें एहसास दिलाया कि स्वच्छ हवा को बनाए रखने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का बाजार बड़ा अवसर हो सकता है। उन्होंने देखा कि भारतीय बाजार में गुणवत्ता और बेहतर प्रदर्शन वाले इलेक्ट्रिक स्कूटरों की कमी थी। ज्यादातर इलेक्ट्रिक स्कूटर घटिया क्वालिटी के थे। सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते थे। सरकार के ग्रीन एनर्जी रेवॉल्यूशन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीतियों ने भी उनकी रुचि को और बढ़ाया।

मार्केट का गहराई से किया अध्ययन

बाजार का गहराई से अध्ययन करने के बाद प्रशांत ने कई बड़ी चुनौतियों की पहचान की। इलेक्ट्रिक वाहनों की अधिक कीमत, घटिया क्वालिटी वाले उत्पादों की भरमार, बैटरी में आग लगने की घटनाओं और मोटर से जुड़ी समस्याएं। इन समस्याओं को हल करने के लिए उन्होंने अपने छोटे भाई निशांत वशिष्ठ के साथ मिलकर 2021 में सोकुडो इलेक्ट्रिक की शुरुआत की। कंपनी का मुख्यालय और प्लांट ग्रेटर नोएडा में है। वहीं, इंदौर में एक ब्रांच ऑफिस भी है। अपने इस उद्यम से पहले प्रशांत ने लगभग 25 साल तक विभिन्न निजी और सरकारी संस्थानों में काम किया था। इनमें से ज्यादातर कंपनियां फाइनेंस इंडस्ट्री से थीं।

- **छोटे कस्बे से बड़े शहरों तक का सफर -** सोकुडो इलेक्ट्रिक ने अपनी यात्रा छोटे कस्बे से शुरू की। लेकिन, आज यह ब्रांड पूरे भारत के लगभग 100 स्थानों पर मौजूद है। इनमें दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, सूरत, अहमदाबाद और इंदौर जैसे टियर-1 और टियर-2 शहर शामिल हैं। कंपनी ने ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर कई मॉडल लॉन्च किए हैं। इनमें एक्यूट (1,04,890 रुपये), सेलेक्ट 2.2 (89,889 रुपये), रैपिड 2.2 (82,889 रुपये) और प्लस (59,889 रुपये) प्रमुख हैं। ये ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हैं। आज कंपनी में लगभग 110 लोग काम करते हैं। इस सफलता में उनके भाई और परिवार ने भी उनका पूरा सहयोग किया।
- **ग्राहकों की जरूरत को समझा-** शुरुआत में सोकुडो इलेक्ट्रिक के पास लगभग 50 कर्मचारी थे। इनमें से ज्यादा क्रू टीम के थे। उनका पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर एक्यूट था। ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर प्रशांत वशिष्ठ ने इस मॉडल में 32 बदलाव किए। कंपनी ने ग्राहकों की जरूरतों को समझा और अपने उत्पादों में लगातार सुधार किया। आज सोकुडो के ग्राहक छात्र, शहरी और ग्रामीण यात्री, युवा पेशेवर और बुजुर्ग लोग भी हैं। उनके स्कूटरों में एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

100 दिन का परिवर्तन एजेंडा

एफडीआई व्यवस्था को उदार बनाएगी केंद्र सरकार

विदेशी निवेश होगा और आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय एक 100 दिवसीय सुधार एजेंडे पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) व्यवस्था में ढील देना और पड़ोसी देशों से निवेश को आसान बनाना है। इस सुधार एजेंडे में स्टार्टअप के लिए कर लाभ और अधिक बढ़ने का भी प्रस्ताव है। मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि चमड़ा और जूता उद्योग के लिए पर्यावरणीय मानदंडों में कुछ ढील देने, निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से ई-कॉमर्स केंद्रों की स्थापना में तेजी लाने, भारत ट्रेडनेट के जरिये ट्रैकिंग में तेजी लाने और एक ही प्लेटफॉर्म पर प्रयोगशाला परीक्षण और प्रमाणन की सुविधा मुहैया कराने का भी प्रस्ताव है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि ऐसे कदम भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी उच्च टैरिफ के बीच भारत के लिए निर्यात बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सरकार 100 दिनों के परिवर्तन एजेंडे पर काम कर रही है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से स्वतंत्रता दिवस पर किए गए वादों को पूरा करने पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। भारत दुनिया के सबसे पसंदीदा उपभोक्ता बाजार और शीर्ष निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

शुभमन गिल उप कप्तान, जायसवाल और अय्यर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, जो टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। इस बीच चयनकर्ताओं ने कुछ अहम फैसले लेते हुए यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर कर दिया है। टॉप ऑर्डर में संजू, अभिषेक और तिलक हैं तो मिडिल ऑर्डर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलती दिखी है. गेंदबाजी के मोर्चे पर जहां बुमराह और अर्शदीप पेस अटैक का भार उठाते दिखेंगे. वहीं स्पिन को मजबूती देने के लिए एशिया कप की टीम में वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को जोड़ा गया है.

एशिया कप के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह.

डेब्यू वनडे में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाया दमदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेबी एबी के नाम से लोकप्रिय दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रेविस इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की। ब्रेविस को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ब्रेविस ने तूफानी शुरुआत की और अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। गेंदबाज थे ट्रेविस हेड। वनडे में डेब्यू करते हुए अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले ड्रेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बने। जोहान लॉ ने 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाया था। उन्होंने शाकिब अल हसन पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने करियर का आगाज तो बेहद शानदार और यादगार अंदाज में किया, लेकिन वे अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। ब्रेविस अगली ही गेंद पर आउट हो गए। भारत के लिए ईशान किशन ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और टी20 में भी डेब्यू कर चुके हैं। ब्रेविस ने 2 टेस्ट मैचों की 3 पारी में 84 रन बनाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 51 रहा है। वहीं, 10 टी20 मैचों में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में ब्रेविस ने विस्फोटक शतक लगाया था। उन्होंने 56 गेंद पर 8 छक्के और 12 चौके लगाते हुए नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। इसके अगले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वनडे सीरीज में जगह दी गई।

कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही। अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी।

सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं। विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो। यही असली चैंपियन करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए कगिसो रबाडा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। टीम की तेज गेंदबाजी का सबसे प्रमुख चेहरा कगिसो रबाडा इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए। कगिसो रबाडा के दाहिने टखने में सूजन थी। सोमवार को हुए स्कैन में गंभीर चोट का पता चला। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। कगिसो रबाडा की जगह वनडे सीरीज में बाएं हाथ के 19 साल के तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में जगह दी गई है। मफाका का हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संपन्न तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट झटके थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में जगह दी गई है। हालांकि, वह पहले वनडे का हिस्सा नहीं हैं।

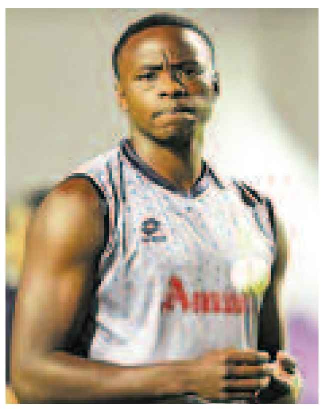

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

बाबर और रिजवान का हुआ डिमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मौजूदा वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को लगातार बड़े झटके दे रहा है। एशिया कप 2025 के स्क्वॉड से बाहर होने के बाद पीसीबी के नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को नुकसान उठाना पड़ा है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वह लंबे समय से टॉप कैटेगरी में शामिल रहे हैं। पिछली बार भी वह ग्रेड ए का हिस्सा थे, लेकिन 2025-2026 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम और रिजवान को डिमोट कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड बी में जगह दी गई है।

नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कुल 30 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, लेकिन ग्रेड ए कैटेगरी में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया है। पिछली बार सी ग्रेड का हिस्सा रहे अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सलमान अली आगा, सैम अयूब और शादाब खान को ग्रेड बी में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने 12 नए खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। ये खिलाड़ी हैं- अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम। सभी पहली बार कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने हैं।

पाकिस्तान सेंट्रल कांट्रैक्ट (2025-26) में शामिल खिलाड़ी

ग्रेड बी (10 खिलाड़ी) - अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी

ग्रेड सी (10 खिलाड़ी) - अब्दुल्लाह शफीक, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, साहिबजादा फरहान, साजिद खान और सऊद शकील

ग्रेड डी (10 खिलाड़ी) - अहमद दानियाल, हुसैन तलत, खुर्रम शहजाद, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शान मसूद और सुफियान मुकीम

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा है। हाल ही में टीम को वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज में 1-2 से हराया है। पाकिस्तान को एशिया कप 2025 से पहले यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलनी है।

सिंकफील्ड कपः

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया, जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला,

जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सोमवार को पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला। इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं। अभी प्रज्ञानंद और अरोनियन के बाद छह खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है। प्रज्ञानंद ने गुकेश के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलने का पूरा फायदा उठाया और केवल 36 चाल में जीत दर्ज की।

प्रज्ञानंद ने मैच के बाद कहा, मुझे नहीं पता कि आज क्या हुआ। मुझे लगता है कि वह थोड़ा असहज था। मैंने लगभग दो साल से उसके खिलाफ क्लासिकल शतरंज में जीत हासिल नहीं की थी। इसलिए आखिरकार जीत हासिल करके अच्छा लग रहा है।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने बताया- मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (क्वास्त्र) ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

हॉकी एशिया कप का नया ड्रॉ- एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा।

पृथ्वी शॉ ने ठोका तूफानी शतक, टीम इंडिया में वापसी के लिए बना डाले इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ को भले ही दुनिया कोसती रहती है लेकिन अब इस खिलाड़ी ने वो काम कर दिखाया है जिसके बाद अब उन्हें हर कोई सलाम कर रहा है. पृथ्वी शॉ ने बुच्ची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से शानदार शतक ठोक दिया. शॉ महाराष्ट्र की टीम के लिए पहली बार मैच खेलने उतरे और उन्होंने डेब्यू मैच में ही कमाल कर दिखाया. शॉ ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 111 रनों की पारी खेली. शॉ ने अपनी इस पारी में 141 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक रेट 78 से ज्यादा का रहा. शॉ की बल्लेबाजी के कमाल का अंदाजा आप इस बात से लगाइए कि उन्होंने पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया.

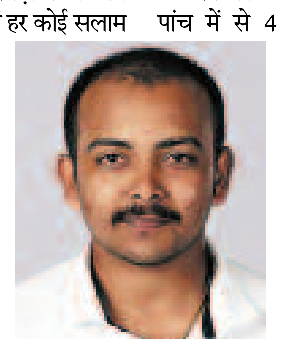

महाराष्ट्र को पृथ्वी शॉ ने संभाला - पृथ्वी शॉ की ये पारी इसलिए भी कमाल है क्योंकि उन्होंने मुश्किल वक्त पर सेंचुरी ठोकी है. जब महाराष्ट्र की टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे थे, उस वक्त शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर विरोधी गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेला. महाराष्ट्र ने सिर्फ 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, टॉप ऑर्डर के पांच में से 4 बल्लेबाज 10,4, 1 और 0 का योगदान ही दे सके. ऋतुराज गायकवाड़ भी महज 4 रन बना पाए लेकिन शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर महाराष्ट्र को गेम में बनाए रखा. शॉ जब आउट हुए तो महाराष्ट्र का स्कोर 166 रन था और इसमें उनका योगदान रहा 111 रन.

मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र में हुए शामिल - बता दें पृथ्वी शॉ ने हाल ही में मुंबई की घरेलू टीम का साथ छोड़ा है. खराब फिटनेस की वजह से उन्हें रणजी ट्रॉफी में ड्रॉप कर दिया गया था. इसके बाद शॉ ने बड़ा फैसला लेते हुए महाराष्ट्र की टीम का हाथ थामा और पहले ही मैच में उन्होंने अपनी क्लास दिखा दी. वैसे पृथ्वी शॉ का बड़ा लक्ष्य टीम इंडिया में वापसी करना है. वो लंबे समय से टीम से बाहर हैं. अगर वो ऐसी ही पारियां खेलते रहे तो उन्हें वापस सेलेक्ट करना चयनकर्ताओं की मजबूरी बन जाएगा.

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक 10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे। इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।

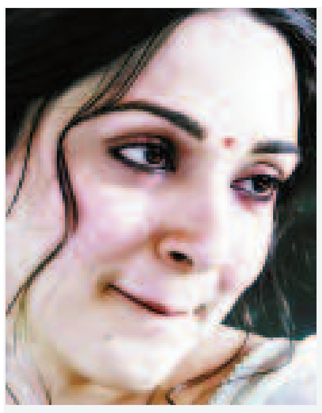

वॉर 2 में कियारा का दमदार एक्शन जीत रहा है दर्शकों का दिल

'वॉर 2' अब सिनेमाघरों में धूम मचा रही है और कियारा आडवाणी ने पर्दे पर आग लगा दी है। यशराज फिल्म्स के हाई-ऑक्टेन एक्शन यूनिवर्स में कदम रखते हुए कियारा ने एक निडर, समझदार और दृढ़ महिला, काव्या लूथरा के किरदार में हिम्मत और भावनाओं का बेहतरीन संगम पेश किया है। दिल थाम देने वाले चेज़ सीक्वेंसेज़ से लेकर ज़बरदस्त कॉम्बैट सीन तक, कियारा ने हर स्टंट को आत्मविश्वास और सटीकता के साथ अंजाम दिया है। उनकी फुर्ती, स्क्रीन प्रेज़ेंस और हर एक्शन मोमेंट में झलकता यकीन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। नेटिज़न्स उनकी एक्शन सीक्वेंस और स्टंट्स के दीवाने हो गए हैं और लगातार उनकी परफ़ॉर्मेंस की तारीफ़ कर रहे हैं।

क्लासिक से कंटेम्परारी तक

जॉर्जिया के सबसे शानदार लहंगा लुक्स जो बने फैशन गोल्स

जब बात पारंपरिक भारतीय पहनावे को मॉडर्न फ्लेयर के साथ पहनने की हो, तो इंडो-इटैलियन डिवा जॉर्जिया एंड्रियानी अपनी अलग पहचान रखती हैं। इस खूबसूरत अभिनेत्री ने लगातार साबित किया है कि लहंगे सिर्फ रस्मों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये आत्म-विश्वास और व्यक्तिगत स्टाइल को व्यक्त करने का एक कैनवस हैं। दुल्हन से प्रेरित भव्य लुक्स से लेकर क्लासिक डिज़ाइनों के आधुनिक रूपांतरण तक, जियोर्जिया का लहंगा कलेक्शन उनके शानदार टेस्ट और हर पारंपरिक पहनावे में ओम्?फ जोड़ने की कला को दर्शाता है। यह शानदार कोरल रेड लहंगा, बारीक सुनहरी कढ़ाई के साथ, ब्राइडल एलीगेंस की मिसाल है। भारी कढ़ाई वाला चोली और घेरदार स्कर्ट का तालमेल पारंपरिकता और ग्लैमर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है। जॉर्जिया के स्टेटमेंट ज्वेलरी और बेदाग स्टाइल इस लुक को किसी भी भव्य समारोह के लिए बेहद आकर्षक बनाते हैं। काले और सफेद ज्यामितीय प्रिंट वाले इस लहंगे में जॉर्जिया पारंपरिक लुक को एक फ्रेश और फन ट्विस्ट देती हैं।

अली फजल की सीरीज

राख का एलान

मिर्जापुर के गुड्डू भैया एक्टर अली फजल की नई सीरीज आ रही है। सीरीज का नाम है राख, जिसका आज एलान किया गया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर आएगी। सीरीज की एनाउंसमेंट के साथ अली का फर्स्ट लुक सामने आया है। वे पुलिस ऑफिसर बने नजर आ रहे हैं। सीरीज राख प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इंस्टाग्राम अकाउंट से सीरीज का एलान करते हुए पोस्टर रिलीज किया है। यह सीरीज अगले साल यानी साल 2026 में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, राख से उठेगी न्याय की आग। बता दें कि प्राइम वीडियो की ही सीरीज मिर्जापुर में अली फजल ने गुड्डू भैया का रोल अदा किया। सीरीज राख में अली फजल के अलावा सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल में नजर आएंगे। सीरीज के निर्देशन की जिम्मेदारी प्रोसित रॉय ने संभाली है।

दिखीं शानदार केमेस्ट्री

अवनीत कौर और शांतनु का गाना फकीरा रिलीज

अवनीत कौर और शांतनु की मोस्ट अवेटेड फिल्म लव इन वियतनाम के मेकर्स ने फिल्म का गाना फकीरा रिलीज कर दिया है। वरुण जैन ने इस गाने को अपनी आवाज दी है और इसे आमिर अली ने कंपोज किया है। फकीरा एक सूफी रॉक स्टाइल का भावुक गाना है, जो प्यार में जुदा होने का दर्द बहुत खूबसूरती से दिखाता है। गाने को लेकर शांतनु ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, फकीरा उन गानों में से है जो दर्शकों को काफी पसंद आएगा। यह सिर्फ एक धुन नहीं है, बल्कि एक एहसास है। इसमें प्यार और जुदाई का मेल है, जिसे खूबसूरती से पेश किया गया है। गायक वरुण जैन ने कहा, जब हमने इस गाने पर काम करना शुरू किया था, तो हमारा मकसद ऐसा गाना बनाना था, जो पुराना भी लगे और नया भी। जिसमें सूफी संगीत की गहराई हो, लेकिन आज के जज्बात भी शामिल हों। मेरे लिए फकीरा सिर्फ फिल्म का गाना नहीं है, बल्कि वो डोर है, जो प्यार और दर्द को आपस में जोड़ती हो। अवनीत कौर कहती हैं, यह गाना टूटे हुए दिल के दर्द को बयां करता है। लेकिन इसकी खास बात ये है कि ये सिर्फ दर्द नहीं देता, बल्कि धीरे-धीरे उस दर्द पर मरहम की तरह काम करता है। फकीरा ऐसा गाना है जो आपके दिल में बस के रह जाता है, जैसे कोई पुराना जख्म आपको मजबूत बना देता है। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित लव इन वियतनाम में वियतनामी अभिनेता खा नगन भी अहम भूमिका में हैं। राहत काजमी फिल्म स्टूडियोज, इनोवेशन्स इंडिया और ब्लू लोटस पिक्चर्स द्वारा निर्मित और जी स्टूडियोज, एंड प्रोडक्शन्स, जेबाइश एंटरटेनमेंट, तारिक खान प्रोडक्शन्स और मैंगो ट्री एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी।

उठाएंगी महिलाओं के मुद्दे

सोहा अली खान लेकर आ रही हैं अपना पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर

अभिनेत्री सोहा अली खान बहुत जल्द ही एक नए रोल में दिखाई देने वाली हैं। वो अपनी पॉडकास्ट सीरीज ऑल अबाउट हर लेकर आ रही हैं। इस शो की वो मेजबानी खुद करेंगी। उनका ये पॉडकास्ट यूट्यूब पर 22 अगस्त से प्रीमियर होगा। जैसा कि नाम से पता चलता है, ये महिला केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं के मुद्दों को उठाया जाएगा। मेहमानों की लिस्ट में वो महिलाएं होंगी जिन्होंने अपने क्षेत्र में खास मुकाम बनाया है। मनोरंजन जगत से लेकर चिकित्सा जगत की नामी गिरामी शख्सियत इसका हिस्सा बनेंगी। ऑल अबाउट हर में मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन और नामचीन अदाकाराओं को शामिल किया जाएगा।

डॉ. किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। इसमें कामकाजी महिलाओं की परेशानियां, दफ्तर और घर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश, निवेश करने के बुनियादी तरीके, और मेंटल हेल्थ को मैनेज करने के तरीकों पर बात होगी। दावा है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बातचीत होगी। अपने इस पॉडकास्ट के बारे में सोहा अली खान ने कहा,पिछले कुछ सालों में, मुझे एहसास हुआ है कि एक महिला के तौर पर हम कई बदलावों से गुजरती हैं, चाहे वह शारीरिक हो या फिर मानसिक, मातृत्व, काम और जिंदगी में संतुलन, या बस खुद से प्यार करना सीखना हो, अक्सर उन्हें अनदेखा कर दिया जाता है।

हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन कमजोर नहीं, आगे बढ़ने के लिए कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने के लिए नहीं। ऑल अबाउट हर के साथ मैं इसे बदलना चाहती थी। मैं एक ऐसा माहौल बनाना चाहती थी जहां कोई भी विषय वर्जित न हो, जहां बातचीत सहज, ईमानदार, असहज और हीलिंग हो।

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर बोले माधवन

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म आप जैसा कोई में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है। बातचीत में उन्होंने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है। क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती। उन्होंने कहा आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें। माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है.

नोरा फतेही का 'डांस विद नोरा' अकादमी खोलने का सपना हुआ साझा

ग्लोबल स्टार और परफॉर्मर नोरा फतेही ने इस हफ्ते अपने फैंस को एक यादगार तोहफ़ा दिया। 'ओह मामा! टेटेमा' सिंगर नोरा अचानक मुंबई के कई डांस स्टूडियोज़ में पहुँचीं और वहाँ मौजूद डांसर्स को उनके लेटेस्ट कोरियोग्राफी पर डांस करते देखकर भावुक हो गईं। उनकी इस अप्रत्याशित मौजूदगी ने साधारण वर्कशॉप को एक जादुई अनुभव में बदल दिया। फैंस के प्यार और उनकी कहानियाँ सुनकर नोरा ने पहली बार यह खुलासा किया कि वह अपनी खुद की 'डांस विद नोरा' अकादमी शुरू करना चाहती हैं। सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने लिखा– यह मुझे जल्द से जल्द अपनी डांस विद नोरा अकादमी शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा है। आप सभी का इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया! आप सब से मिलकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ। नोरा के सरप्राइज़ विजिट के दौरान स्टूडियो का माहौल भावनाओं से भर गया। कुछ फैंस की आँखों में आँसू थे तो कुछ की मुस्कान में खुशी छलक रही थी। लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उनकी फेवरेट स्टार उनके साथ स्टूडियो में डांस कर रही हैं। विशेष बात यह रही कि नोरा ने सिर्फ हाथ हिलाकर या सेल्फी देकर ही अपने फैंस को खुश नहीं किया, बल्कि खुद डांस वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डांस किया और उनके व्यक्तिगत अनुभव भी सुने। यही जुड़ाव उन्हें औरों से अलग करता है। नोरा का 'डांस विद नोरा' कैंपेन पहले ही बच्चों और युवाओं को अपनी कला दिखाने का मंच दे चुका है। वह न सिर्फ उनकी वीडियोज़ को रीपोस्ट करके उन्हें प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि मौके पर पहुँचकर उनकी मेहनत को सराहती भी हैं। जहाँ एक ओर उनकी गाने 'ओह मामा! टेटेमा' की धूम दुनिया भर में मची हुई है और आने वाली फ़िल्म 'कंचना 4' से उनका करियर और बुलंदियों पर पहुँचने वाला है, वहीं मुंबई के वे स्टूडियो और वहाँ मौजूद फैंस के लिए असली जादू उनकी सादगी और अपनापन रहा।

साभार एजेंसी